शुक्रवार
18 फरवरी 2022

पृष्ठ 4

हरा टमाटर भी सेहत के लिए होता है फायदेमंद

पृष्ठ 5

गंगूबाई काठियावाड़ी फिल्म को मिला यूए सर्टिफिकेट, दो सीन कटे

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 25
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

सत्याग्रह की लड़ाई हमेशा दो प्रकार की होती है। एक जुल्मों के खिलाफ और दूसरी स्वयं की दुर्बलता के विरुद्ध।

– सरदार पटेल

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

email: doonvalley_news@yahoo.com
आर.एन.आई.- 59626/94
Website: dunvalleymail.com

38 को फांसी व 11 को उम्रकैद

संवाददाता

अहमदाबाद। अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केस में आज सिटी सिविल कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 38 आरोपियों को फांसी और 11 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। देश के इतिहास में यह पहला मामला है जब किसी आपराधिक मामले में इतनी बड़ी संख्या में फांसी और उम्र कैद की सजा सुनाई गई है।

उल्लेखनीय है कि 26 अप्रैल 2008 को अहमदाबाद में हुए इस सीरियल बम ब्लास्ट की घटना में 56 लोगों की मौत हुई थी तथा 200 के लगभग लोग घायल हो गए थे। नरेंद्र मोदी की तत्कालीन गुजरात सरकार ने इस मामले की जांच कराने के आदेश दिए थे। 70 मिनट में अहमदाबाद में हुए इन बम विस्फोटों से पूरा देश दहल गया था। इस गंभीर मामले में अहमदाबाद में 20 और सूरत में 15 प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी।

2008 के इस मामले की लंबी चली सुनवाई के दौरान 1100 गवाह पेश किए गए। 14 साल चली सुनवाई के बाद बीते

❑14 साल बाद आया अहमदाबाद ब्लास्ट पर फैसला
❑2008 की घटना में 56 लोगों की गई थी जान, 200 घायल

8 फरवरी को अदालत द्वारा 78 आरोपियों में से 49 को दोषी करार देते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया गया था। अदालत द्वारा आज सुनाये गए अपने फैसले में 38 लोगों को फांसी की सजा सुनाई गई है जिसमें से आठ आरोपी उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं। खास बात यह है कि इन 8 में से सात आरोपी अकेले आजमगढ़ से हैं जिन्हें फांसी की सजा सुनाई गई है। इसके अलावा 11 लोगों को उम्र कैद की सजा सुनाई गई है जबकि इस मामले में एक आरोपी को पुलिस का गवाह बनने और मामले के खुलासे में सहयोग के लिए बरी किया गया है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस मामले की जांच कर रही टीम द्वारा सीरियल ब्लास्ट की इस घटना के बाद संदिग्धों के ठिकानों पर छापेमारी करते हुए सूरत और अहमदाबाद से 29 जिंदा बम बरामद किए गए थे तथा 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

जांच टीम को पता चला था कि अहमदाबाद के इस सीरियल बम ब्लास्ट की इस घटना के पीछे 2002 में घटित गोधरा कांड था जिसके बदले के परिणाम स्वरुप इसे अंजाम दिया गया था। इस मामले में प्रारंभिक दौर में इंडियन मुजाहिदीन जिसने इसकी जिम्मेदारी ली थी को ही जिम्मेदार माना जा रहा था। लेकिन बाद में जब जांच आगे बढ़ी तो इसके तार सिमी से भी जुड़े पाए गए। देश के इतिहास में यह पहला मामला है जब किसी आपराधिक मामले में 38 लोगों को फांसी व 11 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

कांग्रेस व भाजपा नेताओं के बीच चुनावी घोषणाओं पर घेराबंदी जारी

संवाददाता

देहरादून। मतदान के साथ उत्तराखंड का चुनावी समर भले ही खत्म हो चुका हो और अब मतगणना परिणाम ही शेष बचा हो लेकिन भाजपा और कांग्रेस नेताओं के बीच चुनावी घोषणाओं को लेकर घमासान छिड़ा हुआ है वार-प्रति वार का सिलसिला जारी है दोनों ही दलों के नेता एक दूसरे की घेराबंदी करने में जुटे हुए हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री हीरा सिंह बिष्ट का कहना है कि भाजपा झूठे वायदे और घोषणाओं के दम पर सत्ता में बने रहने का सपना देख रही है। उन्होंने कहा कि सिविल यूनिफॉर्म कोड लाने की घोषणा एक मुख्यमंत्री कैसे कर सकता है? सिविल यूनिफॉर्म कोड केंद्र सरकार का विषय है न की किसी राज्य सरकार का। उनका कहना है कि उन्हें हैरानी इस बात की होती है कि पुष्कर सिंह धामी ने चुनाव परिणाम आने से पहले ही भाजपा की सरकार भी बना ली और वह मुख्यमंत्री भी बन गए हो। उन्होंने कहा कि उनका ज्ञान देखिए कि वह मतदान के बाद भी राज्य में सिविल यूनिफॉर्म कोड लाने का दावा कर रहे हैं। जबकि यह राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र से भी बाहर है। उससे भी अधिक हास्यापद यह है कि वह कांग्रेस के इस मुद्दे पर विरोध पर यह कह रहे हैं कि कांग्रेसी तो राष्ट्रीय हित के सभी मुद्दों का विरोध करते हैं, उनका काम ही विरोध करना है। उन्होंने कहा कि 2017 में भी तो सरकार बनने पर वह 100 दिन में लोकायुक्त गठित कर रहे थे उसका क्या हुआ। उन्होंने कहा कि भाजपा झूठ और लफ्फेबाजी की राजनीति करती है।

उधर भाजपा नेताओं द्वारा भी कांग्रेस पर पलटवार में कोई कमी नहीं रखी जा रही है। भाजपा नेता रविंद्र जुगरान का कहना है कि चुनाव समाप्त होने के बाद भी पूर्व सीएम हरीश रावत जिस तरह से घोषणा करते जा रहे हैं कि मुंडन संस्कार करने वालों को वह पेंशन देंगे, ऐसा लगता है कि सीएम बनने की उनकी अति महत्वकांक्षा ने उनका विवेक ही छीन लिया है। उन्हें सिर्फ सीएम की कुर्सी चाहिए, इसके लिए वह कुछ भी कहने और करने को तैयार हैं।

पीएम मोदी ने सिख समुदाय के प्रमुख नेताओं के साथ अपने आवास पर की मुलाकात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में अपने आवास पर देशभर के प्रमुख सिख नेताओं के साथ मुलाकात की। बता दें कि २० फरवरी को पंजाब में चुनाव हैं। ऐसे में इस मुलाकात को राजनीतिक नजरिए से बेहद अहम माना जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी ने इस बार राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस और अकाली दल के सुखदेव सिंह ढींढसा धड़े के साथ गठबंधन किया है। ऐसे में पार्टी सिख समुदाय को लुभाने में जी जान से जुटी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मोदी से मुलाकात करने वाले सिख समुदाय के लोगों में दिल्ली गुरुद्वारा समिति के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका, पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित बाबा बलबीर सिंह जी सींचेवाल, सेवापंथी, यमुना नगर के महंत करमजीत सिंह, करनाल में डेरा बाबा जंग सिंह के बाबा जोगा सिंह और अमृतसर में मुखी डेरा बाबा तार सिंह वा के संत बाबा मेजर सिंह वा शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि आनंदपुर साहिब में कार सेवा के जत्थेदार बाबा साहिब सिंह, भेनी साहिब के सुरिंदर सिंह नामधारी दरबार, शिरोमणि अकाली बुद्ध दल के बाबा जस्सा सिंह, दमदमी टकसाल के हरभजन सिंह और तख्त श्री पटना साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रणजीत सिंह भी बैठक में शामिल हुए।

भारत में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 25920 नए मामले आए, 492 लोगों की संक्रमण से हुई मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना के नए मामलों में आज गिरावट दर्ज की गई है। इसी क्रम में पिछले २४ घंटों में भारत में कोरोना संक्रमण के २५,६२० नए मामले सामने आए हैं, जोकि गुरुवार के मुकाबले ४,८३७ कम हैं। वहीं, इस दौरान ६६,२५४ कोविड-१६ से ठीक हुए हैं, जिसके बाद इस बीमारी से कुल ठीक होने वाले मरीजों की संख्या ४,१६,७७,२३८ हो गई है। हालांकि, पिछले २४ घंटों में ४६२ लोगों की कोरोना वायरस से मौत भी हुई है।

देश में अभी भी २,६२,०६२ मामले मौजूद हैं, जबकि कुल वैक्सीनेशन का आंकड़ा १,७४,६४,६६,४६१ हो गया है। यही नहीं, दैनिक पॉज़िटिविटी रेट भी २.०७ प्रतिशत है। बता दें कि गुरुवार

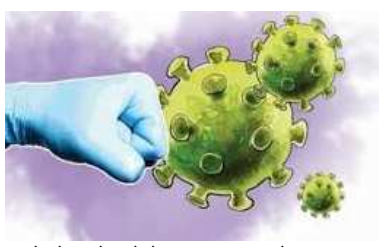

को देश में कोरोना संक्रमण के ३०,७५७ नए मामले सामने आए थे, बुधवार के मुकाबले थोड़े ज्यादा थे। वहीं, कल कोरोना वायरस से ५४१ लोगों की मौत हुई थी। यही नहीं, गुरुवार को ६७,५३८ लोग कोविड-१६ से ठीक हुए थे, जिसके बाद कुल डिस्चार्ज हुए लोगों की संख्या ४,१६,१०,६८४ हो गई थी। फिलहाल, भारत में कल ३ लाख ३२ हजार ६१८ सक्रिय मामले मौजूद थे। इस दौरान दैनिक संक्रमण दर २.६१ प्रतिशत रहा। बताते चलें कि बुधवार को कोरोना संक्रमण के ३०,६१५ नए मामले सामने आए थे, जोकि मंगलवार के मुकाबले ११ प्रतिशत ज्यादा थे। इसके बाद कुल मामलों का आंकड़ा ४,२७,२३,५५८ हो गया था।

मालूम हो, गुरुवार के मुकाबले आज संक्रमण दर में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। कोरोना वायरस को लेकर जारी स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, जिन पांच राज्यों में संक्रमण के दैनिक केस सबसे ज्यादा हैं, उनमें केरल (८,६५५ केस), महाराष्ट्र (२,७६७ केस), कर्नाटक (१,५७६ केस), राजस्थान (१,५०६ केस) और मध्य प्रदेश (१,३२८ केस) शामिल हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

सोशल मीडिया का दुरुपयोग

नेताओं और राजनीतिक दलों के बीच छिड़ा ट्विटर वार और सोशल मीडिया में वायरल होने वाले ऑडियो-वीडियो तथा खबरें इस बात का सबूत है कि हमारा डिजिटल इंडिया कितना अद्भुत है और कितनी तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। सोशल मीडिया की ताकत क्या है इससे पहले किसी ने सोचा भी नहीं होगा। खासतौर से चुनावी दौर में इसका उपयोग या यूं कहें की इसका दुरुपयोग कैसे और कितना किया जा सकता है? इसकी कोई सीमा नहीं है। अभी उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के दौरान आपने इसके अनेक कारनामे देखे और सुने होंगे। आपने पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की वह दाड़ी वाली तस्वीर भी देखी होगी जिसे ध्रुवीकरण की राजनीति से जोड़कर उसका जमकर प्रचार किया गया। पूर्व मंत्री और विधायक बंशीधर भगत का वह ऑडियो भी आपने सुना होगा जिसमें उन्हें किसी महिला के साथ अश्लील बातें करते दिखाया गया है। तथा विधायक संजीव गुप्ता का वह वीडियो भी देखा होगा जिसमें वह अपनी ही पार्टी अध्यक्ष को गद्दार बता रहे हैं और अभी कल ही वायरल हुआ वह ट्यूट भी देखा होगा जिसमें मदन कौशिक भाजपा की हार के जिम्मेवारी लेते हुए अपने इस्तीफे की बात कर रहे हैं। यही नहीं सोशल मीडिया पर वायरल खबरों में मतगणना से पूर्व ही चुनाव नतीजों की घोषणा तक करने की चर्चाओं का केंद्र बनी हुई है। भले ही यह कहा जाता रहा हूं कि राजनीति और प्यार में सब कुछ जायज होता है लेकिन यह एक मिथ्या प्रचार है। राजनीति और प्यार की अपनी मर्यादा और सीमाएं भी होती हैं किसी के भी चरित्र हनन का अधिकार किसी को नहीं हो सकता है। मिथ्या प्रचार और उसके जरिए किसी की भी छवि को अपने निजी राजनीतिक स्वार्थों के लिए खराब करने की यह प्रवृत्ति अत्यंत ही घातक है। बात चाहे बंशीधर की हो या किशोर उपाध्याय की। जिन पर एक प्रत्याशी द्वारा 10 करोड़ में भाजपा का टिकट खरीदने का आरोप लगाया गया। इन तमाम मामलों में पीड़ित पक्ष और राजनीतिक दलों द्वारा जहां इसकी शिकायत निर्वाचन आयोग में दर्ज कराई गई है वहीं पुलिस में कई मामलों में एफ आई आर दर्ज हो चुकी है लेकिन इन मामलों में किसी भी आरोपी को पकड़ा जाएगा या उसको सजा होगी इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भाजपा जिसने 2014 के आम चुनाव में अपनी पार्टी के लिए सोशल मीडिया को अपना सबसे सशक्त प्रचार माध्यम बनाकर सबसे बड़ी जीत हासिल की आज वही डिजीटल इंडिया और सोशल मीडिया राजनीति के लिए सबसे बड़ा सर दर्द भी साबित हो रही है। सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोकने के लिए बनाये गये कानून भी इसको रोकने में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रहे हैं। रातों-रात किसी की भी छवि को खराब करने और प्रत्याशियों तथा पार्टियों की जीत को हार और हार को जीत में बदलने का माद्दा रखने वाले सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर लगाम लगाना जरूरी है क्योंकि इसे भ्रामक और मिथ्या प्रचार का जरिया बना लिया गया है अगर इसे तत्काल प्रभाव से नहीं रोका गया तो इसके दूरगामी परिणाम अत्यंत ही गंभीर होंगे।

कांग्रेस के 45 से 55 सीटें जीतने के आसारः धीरेंद्र प्रताप

देहरादून (संवाददाता)। उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने विश्वास जताया है कि 10 मार्च को आने वाले नतीजों में कांग्रेस

45 से 55 सीटें जीत कर पूर्ण बहुमत के साथ शक्तिशाली सरकार बनाएगी। प्रताप ने कहा कि कांग्रेस ने राज्य के तमाम तेरह जनपदों का अपने-अपने स्तर पर आकलन किया है और सभी जगह से कांग्रेस उम्मीदवारों ने भारी बढ़त ली है। कहा कि लोग भाजपा के कुशासन से अजीज आ चुके थे और यही कारण है कि लोगों ने भाजपा के बजाय कांग्रेस को चुनना बेहतर समझा। धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि कांग्रेस के पास हरीश रावत, प्रीतम सिंह, गोविंद सिंह कुंजवाल जैसे कई प्रमुख नेता हैं जो मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरे हैं और इसलिए कांग्रेस को नेतृत्व का कोई संकट नहीं है। उन्होंने नवप्रभात, हीरा सिंह बिष्ट और यशपाल आर्य को को भी राज्य के नेतृत्व के योग्य नेता बताया।

कौशल विकास व डिजिटलीकरण को प्राथमिकता

राघवेन्द्र प्रसाद तिवारी

शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो राष्ट्र के आर्थिक एवं सांस्कृतिक संवर्धन सहित युवाओं का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करे और साथ-साथ उनको सम्मानजनक जीवनयापन हेतु 21वीं शताब्दी में उपयोगी वैश्विक दक्षताओं से युक्त कर सके। शिक्षा की ऐसी अवधारणा बहु-विषयक, परिणाम-आधारित, व्यापक स्तर पर कौशल, उच्च कौशल एवं नव कौशलों से युक्त, समस्या-समाधान परक शोध एवं नवाचारों के अधिगम माध्यमों से ही साकार हो सकती है। इस हेतु शिक्षण-अधिगम और प्रशिक्षण को गतिशील और प्रासंगिक बनाने के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी उपलब्ध कराने, शिक्षण प्रणाली को समयानुकूल पुनर्परिभाषित करने, तदनुसार नीति निर्धारण करने एवं शिक्षा के माध्यम से प्रकृति आधारित सतत विकास के आदर्शों को स्थापित कराने में सरकार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। इस दायित्व के निर्वहन हेतु वित्तमंत्री द्वारा 1 फ़रवरी, 2022 को संसद में प्रस्तुत केंद्रीय बजट में कई नवीन प्रयास किये गए हैं।

सर्वप्रथम शिक्षा के लिए बजटीय आवंटन में विगत वर्षों की तुलना में 11.86 प्रतिशत (2021-22 में रु. 93,224.31 करोड़ की तुलना में 2022-23 में रु. 1,04,278 करोड़) की वृद्धि प्रशंसनीय है। इस आवंटन में उच्च शिक्षा के लिए 40,828 करोड़ भी शामिल है। इसी तरह इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय प्रबंधन संस्थान जैसे अन्य उच्च-शैक्षणिक संस्थानों के आवंटन में भी वृद्धि हुई है। अनुसंधान और नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए 218.66 करोड़ रुपये का आवंटन और लगभग 15,000 विद्यालयों को उत्कृष्टता विद्यालय के रूप में अपग्रेड करने हेतु अनुकरणीय योजना के लिए रु. 1,800 करोड़ रुपये का आवंटन संतोषजनक है। ऐसे प्रयास अंततः राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित सुधारों को लागू करने में सक्षम बनाएंगे। केंद्रीय बजट में ये प्रयास कौशल विकास, डिजीटल शिक्षा और स्थानीयता के लिए मुखरता नवीन आयामों के रूप में उभरे हैं।

निस्संदेह बजट का मुख्य ध्येय वर्तमान शिक्षा प्रणाली में निहित 'उद्योग एवं अकादमिक' के मध्य कौशलों एवं रोजगार के वर्तमान अंतरों को कम करना है। कौशल विकास हेतु बजट में कई नए प्रावधान किये गए हैं। इन प्रावधानों में 150 उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिप्लोमा/डिग्री पाठ्यक्रम का संचालन; स्थानीय शहरी संस्थानों में इंजीनियरिंग स्नातकों को एक वर्ष तक के लिए इंटर्नशिप का संचालन, व्यावसायिक निकायों की सहायता से स्वास्थ्य और कौशल विकास मंत्रालयों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विशेष ब्रिज कोर्स का संचालन; प्रायोगिक शिक्षा की सुविधा के लिए पीपीपी प्रणाली से मेडिकल कॉलेजों के साथ सहयोग करने के लिए जिला अस्पतालों को व्यवहार्यता गैप फंडिंग, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के तहत रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए डीएनबी/एफएनबी पाठ्यक्रमों हेतु पर्याप्त क्षमता वाले बड़े चिकित्सालयों को जोड़ना; डेश-स्टैक ई-पोर्टल के माध्यम से युवाओं को कौशल, अधिक-कौशल और नवीन कौशलों से सशक्त करना ताकि वे कम लागत पर आजीविका अर्जित कर सकें; स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए ड्रोन-इज़-ए-सर्विस के रूप में ड्रोन पावर का उपयोग; पुलिस विज्ञान, फॉरेंसिक विज्ञान और साइबर फॉरेंसिक आदि के क्षेत्र में दक्षता और कौशल विकास हेतु राष्ट्रीय पुलिस विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना आदि प्रमुख हैं। इन प्रयासों से कौशल विकास के अतिरिक्त युवाओं में नवाचारों के माध्यम से सोचने की क्षमता विकसित होगी।

बजट का ध्येय विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण डिजीटल शिक्षा सुनिश्चित करने हेतु एक सशक्त डिजीटल पारिस्थितिकी विकसित करने पर भी है। इस सन्दर्भ में डिजीटल विश्वविद्यालय का प्रावधान प्रशंसनीय है। जहां डिजीटल विश्वविद्यालय 2035 तक गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से 50 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात की प्राप्ति में मदद करेगा, वहीं प्रधानमंत्री ई-विद्या योजना के तहत एक-श्रेणी-एक-टीवी चैनलों की संख्या में वर्तमान 20 से 200 चैनलों तक का विस्तार कक्षा 1-12 के छात्रों को क्षेत्रीय भाषाओं में भी सीखने के अवसर प्रदान करेगा। सरकार का ये प्रयास ग्रामीण और अर्द्ध-शहरी परिवेश में रहने वाले सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर समुदायों के छात्रों को अधिगम से बेहतर जुड़ाव स्थापित करने और कोरोना महामारी के परिणामस्वरूप अधिगम में हुए नुकसान की भरपाई करने में सहायक होगा। 'स्टडी इन इंडिया' योजना को सुदृढ़ करना एक ऐसा ही प्रयास है, जो विदेशी छात्रों के लिए भारत को पसंदीदा गंतव्य के रूप में चयन करने में सहायक होगा। साथ ही विदेशी छात्रों को हमारे देश की चिर-पुरातन संस्कृति तथा जीवन मूल्यों को सीखने का अवसर मिलेगा। केंद्र सरकार के इन महत्वपूर्ण प्रयासों का राष्ट्र हित में सदुपयोग करने का दायित्व अब उच्च शिक्षण संस्थानों पर है।

आ यस्मिन्हस्ते नर्या मिमिक्षुरा रथे हिरण्यये रथेष्ठाः।
आ रश्मयो गभस्त्योः स्थूरयोराध्वन्नश्वासो वृषणो युजानाः।।

(ऋग्वेद ६-२९-२)

इपरमात्मा के अधीन मनुष्यों के हित के लिए भरपूर धन उपलब्ध है। वह एक दृढ़ स्वर्णिम ब्रह्मांड रथ पर सवार है। वह अपनी बलशाली भुजाओं से संसार की बागडोर को संभाले हुए हैं। वह प्रकृति की शक्तिशाली शक्तियों का नियंत्रण करता है।

Plenty of wealth is available under the control of God for the benefit of mankind. He is riding on a steadfast golden cosmic chariot. He is holding the reins of the world in His mighty arms. He controls the mighty forces of nature. (Rig Veda 6-29-2)

विकसित करें वैज्ञानिक समझ

महेन्द्र वर्मा

यह युग विज्ञान का युग है। हमारे दैनिक जीवन के प्रत्येक क्रियाकलाप में विज्ञान का दखल है। विज्ञान और वैज्ञानिक सोच ने सामान्य व्यक्ति के जीवन को गहराई तक प्रभावित किया है क्योंकि विज्ञान प्रकृति की विशेषताओं का ज्ञान है। मनुष्य प्रकृति का ही एक अंग है। हमारे देश में आधुनिक विज्ञान का प्रवेश लगभग 150 साल पहले हुआ था, लेकिन स्वतंत्रता के बाद के वर्षों में जिस गति से वैज्ञानिक और शैक्षिक प्रगति हुई उसने सामान्य जन-मानस की परंपरावादी और रूढ़िवादी सोच को कुछ हद तक परिवर्तित कर दिया और अंधविश्वासों के प्रभाव को कम कर दिया। 50 साल पहले गांवों में भूत-प्रेतों से संबंधित घटनाएं रोज घटती थीं, अब यदा-कदा ही सुनाई देती हैं। हालांकि अनेक रूढ़ियां और अंधविश्वास अभी भी समाज में व्याप्त हैं।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण के आशय में वैज्ञानिक सोच, वैज्ञानिक समझ, वैज्ञानिक भावना, वैज्ञानिक साक्षरता, वैज्ञानिक प्रवृत्ति, वैज्ञानिक मिज़ाज, वैज्ञानिक स्वभाव जैसी अवधारणाएं भी समाहित हैं। वैज्ञानिक समझ का बुनियादी रूप से आशय यह है कि कोई व्यक्ति यह निर्णय कर सके कि किस जानकारी पर भरोसा किया जाए, किसी घटना या तथ्य के बारे में संदेह व्यक्त कर सके, गहराई से विचार कर सके, जिज्ञासा व्यक्त कर सके और प्रश्न पूछ सके। वैज्ञानिक समझ का यह आशय नहीं है कि कोई व्यक्ति हर एक तथ्य के लिए स्वयं प्रमाणों का गहन अध्ययन करे।

ज्ञान का क्षेत्र इतना विस्तृत हो चुका है कि कोई महाविद्वान भी सब कुछ जानने का दावा नहीं कर सकता। वैज्ञानिक समझ का संबंध अवलोकन और अंतर्दृष्टि, तर्क और अंतर्ज्ञान, व्यवस्थित और रचनात्मक कार्यशैली से है। स्वतंत्रता के बाद सरकारी और ग़ैर-सरकारी संस्थाओं ने अब तक आम लोगों के बीच विज्ञान और वैज्ञानिक सोच के प्रचार-प्रसार के लिए जो प्रयास किया वह अपर्याप्त साबित हुआ है। आज सरकारी टेलीविज़न और इंटरनेट के चैनलों में भी विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। किंतु इन सब उपायों का ज़मीनी स्तर पर कोई व्यापक प्रभाव नहीं हुआ। इस वैज्ञानिक युग में भी निरक्षरता और सांप्रदायिक कट्टरवाद विज्ञान पर हावी हैं। यही कारण है कि हम वैश्विक विज्ञान शक्तियों की सूची में पीछे हैं। निजी टेलीविज़न चैनलों में भविष्यफल, भूत-प्रेत और अनेक प्रकार के चमत्कारों से युक्त अंधविश्वासों और रूढ़ियों से संबंधित कार्यक्रम अवैज्ञानिकता को ही बढ़ावा दे रहे हैं। वैज्ञानिक सोच-समझ को बढ़ावा देने के लिए उसी तरह से व्यापक कार्यक्रम क्रियान्वित करना होगा जैसे पहले दो-तीन दशकों तक साक्षरता अभियान चलाया गया था।

वैन और बाइक की आपसी टक्कर में रजिस्ट्रार कानूनगो घायल

संवाददाता

बेरीनाग। तहसील मुख्यालय से दो किलोमीटर दूरी पर पुरानाथल मार्ग में मुनकट्रा पास गुरुवार सुबह ६ बजे गंगोलीहाट में तैनात रजिस्ट्रार कानूनगो संतोष सिंह बोरा उम्र ३४ अपने घर गढतिर से गंगोलीहाट को अपनी बाइक से जा रहा था तभी मारूती वैन यूके ०५टीए२४५२बेरीनाग से पुरानाथल को आ रही उसने बाइक में टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार संतोष सिंह और देवेन्द्र सिंह उम्र २८ गढतिर दोनों घायल हो गये और सडक पर गिर गये।

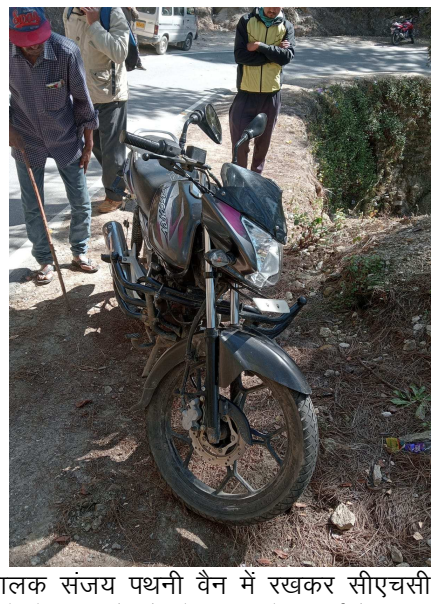

दोनों घायलों मारूती वैन चालक संजय पथनी वैन में रखकर सीएचसी बेरीनाग लेकर आया। जहां दोनों के हाथ और पैर में गंभीर चोट आई है घटना की जानकारी मिलते ही एसआई किशोर पंत पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। प्रभारी चिकित्साधिकारी डां सिद्धार्थ पाटनी ने बताया की दोनों घायलो के पैर और हाथ चोटें आई है खतरे से बाहर है।हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है। वही पुलिस के द्वारा घटना की जांच की जा रही है।

मकान का ताला तोड लाखों के जेवरात व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से लाखों के जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राणा कालोनी हरिपुर कला निवासी ललिता प्रसाद पाठक ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह 15 फरवरी को परिवार के साथ रिश्तेदारी में गया था गत दिवस जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। उसने बताया कि चोर उसके घर से 15 हजार रूपये नगद, सोने का मंगलसूत्र, सोने की भगवान विष्णु की मूर्ति व चांदी के जेवरात चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दुकान का ताला तोड सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दुकान का ताला तोडकर वहां से सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मियांवाला निवासी राहुल खत्री ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि चोरों ने रात में उसकी दुकान का ताला तोडकर वहां से खाद्य सामग्री चोरी कर ली है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तहसील में कामकाज सुचारु

ऋषिकेश (आरएनएस)। तहसील अधिकारियों और कर्मियों के चुनाव ड्यूटी में व्यस्तता के चलते पिछले कई दिनों से जनहित से जुड़े कार्य प्रभावित रहे। लेकिन गुरुवार से तहसील में कामकाज सुचारु हो गया है। लंबित पड़े १५ आय प्रमाण पत्र और १० उत्तरजीवी प्रमाण पत्र आवेदकों को जारी किए। इस दौरान आवश्यक प्रमाणपत्रों के लिए ई–डिस्ट्रिक्ट केंद्र पर आवेदकों की भीड़ रही। गुरुवार को तहसील अधिकारियों और कर्मचारियों के काम पर लौटने से तहसील में रौनक लौट आयी। एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार के कक्ष खुले। एसडीएम और तहसीलदार कोर्ट खुली, जहां पेशकार भूमि और अन्य वादों से लंबित फाइलों को अपडेट करने में मशगूल रहे।

कार्य पटरी पर लौटने का सबसे अधिक असर तहसील के ई–डिस्ट्रिक्ट केंद्र पर नजर आया। यहां आय, जाति, उत्तरजीवी, अस्थायी प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदकों की भीड़ रही। भीड़ में वह लोग भी थे जो आवश्यक प्रमाणपत्रों के लिए पिछले कई दिनों से तहसील के चक्कर काट रहे थे। उन्हें राहत मिली। १५ आय प्रमाण पत्र और १० उत्तरजीवी प्रमाण पत्र जारी किए गए। २० से ज्यादा लोगों ने आवश्यक प्रमाणपत्रों के लिए ऑनलाइन आवेदन भी किया।

कंप्यूटरीकृत खतौनी कक्ष में कामकाज सामान्य रहा। भूमि की फर्द जारी होने से लोगों को राहत मिली। तहसीलदार डा. अमृता शर्मा ने बताया कि चुनाव से प्रभावित कार्य गुरुवार से सुचारू हो गए हैं।

लुप्त होती जा रही है गली-मौहल्लों में बनी पानी की टंकियां

संवाददाता

देहरादून। गली–मौहल्लों में बनी पानी की टंकियां लुप्त होती जा रही है और उनके स्थान पर दुकानें बन रही है लेकिन प्रशासन इसपर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। जिसके कारण गर्मियों में पानी की कमी से जनता को दो–चार होना पडता है।

उल्लेखनीय है कि पूर्व में नगर निगम प्रशासन द्वारा गली–मौहल्लों में जनता की सुविधा के लिए पानी की टंकियों का निर्माण कराया गया था और उससे लोगों को काफी सहायता मिलती थी। गर्मियों के समय लोग जहां वहां से पानी की पीने के पानी की पूर्ति करते थे तो वहीं महिलाएं कपडे भी वहीं पर आकर धोती थी। इन टैकियों की रख रखाव का जिम्मा नगर निगम प्रशासन का होता था। राज्य बनने के बाद यहां पर प्रशासन द्वारा पानी की पूर्ति के लिए कोई अन्य बंदोबस्त करना तो दूर गली–मौहल्लों में बनी पानी की टंकियों को भी नजरअंदाज करना शुरू कर दिया। जिसका परिणाम यह हुआ कि आहिस्ता–आहिस्ता इन टंकियों का दोहन शुरू हो गया।

गांधी स्कूल के पास स्थित पानी की टंकी के स्थान पर दुकानें बन गयी लेकिन नगर निगम के इतने नजदीक का मामला होने के बाद भी किसी ने इस तरफ ध्यान नहीं दिया और आसपास के लोगों ने भी चुप्पी साध ली जिसका परिणाम टंकी की जगह दुकानें बन गयी। यहीं हालात मन्नूगंज राधा–कृष्ण मन्दिर के समीप सिढियों पर बनी पानी की टंकी की जगह भी दुकान बनकर तैयार हो गयी थी इसपर भी किसी ने कोई एतराज नहीं उठाया।

खुडबुडा मौहल्ले में भी इसी प्रकार की दो टंकियां थी लेकिन अब वह किसी को दिखायी नहीं देती। इन टंकियों के बारे में शायद ही आज का युवा वर्ग जानता हो कि यहां किसी समय में पानी की टंकी हुआ करती थी? मोती बाजार, खुडबुडा मौहल्ला, गांधी रोड, मन्नूगंज यह तो वह इलाके हैं जहां पर सभी की निगाहें चली जाती है इसके अलावा भी अन्य इलाकों में भी पानी के लिए नगर निगम ने कोई व्यवस्था पूर्व में की होगी लेकिन अब निगम की निगाहें भी अपनी इन धरोहरों पर नहीं जा रही है जो कि एक चिन्ता का विषय है। अगर यही हाल रहे तो वह दिन दूर नहीं कि आने वाले समय में जनता को पानी के लिए तरसना पड सकता है।

धाद 20 फरवरी से आयोजित करेगी मातृभाषा सप्ताह

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड का प्रमुख सामाजिक संगठन धाद प्रदेश की भाषाओं के पक्ष में २० से २६ फरवरी तक मातृभाषा सप्ताह आयोजित करेगी। आयोजन की थीम नई पीढ़ी को उनकी मातृभाषा से जोड़ना है। आयोजन का सूत्र वाक्य दिया गया है, अपनी भाषा को नई पीढ़ी तक पहुंचाएं और प्रदेश के सभी स्कूलों में यहां की भाषाओं को पढ़ाएं है। आयोजन की जानकारी देते हुए मातृभाषा एकांश के प्रभारी शांति प्रकाश ने बताया कि धाद ने उत्तराखंड की भाषाओं के पक्ष में १९९७ से पत्रिका, गोष्ठियों और प्रकाशन के साथ व्यापक वातावरण बनाने की पहल की है। यूनेस्को द्वारा मातृभाषा दिवस २१ फरवरी की घोषणा के बाद २०१० से धाद हर वर्ष उत्तराखंड की मातृ भाषाओं को दुनिया की तमाम भाषाओं की चिंता से जोड़ते हुए यह आयोजन करती है। इस बार आयोजन नई पीढ़ी को उनकी दूधबोली से जोड़ने के लिए है। थीम के तहत धाद और रूम टू रीड द्वारा प्रदेश के सभी जिलों के प्रतिनिधि स्कूल में मातृभाषा कहानी वाचन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विभिन्न साहित्यकार, सामाजिक कार्यकर्ता अपने जिले के प्राथमिक स्कूल में उत्तराखंड की भाषाओं में कहानी सुनाने के साथ भाषाई संवाद करेंगे। सप्ताह का शुभारंभ २० फरवरी को उत्तराखंड के भाषाओं के कहानी वाचन की कार्यशाला से होगा। इस मौके पर मातृभाषाओं की कविताओं की पुस्तक का विमोचन भी किया जाएगा।

राफ्टिंग के लिए उमड़े पर्यटक

ऋषिकेश (आरएनएस)। कोविड पाबंदियों में ढील का असर साहसिक पर्यटन कारोबार पर भी पड़ा। गुरुवार को राफ्टिंग के लिए पर्यटकों की संख्या में इजाफा दिखा। इससे राफ्ट कारोबारियों के चेहरों पर खुशी साफ झलकी। उत्तराखंड में तीसरी लहर के कारण नाइट कर्फ्यू लागू था।

कोविड जांच और अन्य पाबंदियों के कारण काफी समय से पर्यटकों की संख्या में कमी आ गई थी। इस वजह से ऋषिनगरी में पर्यटन कोरोबार भी लड़खड़ा गया था। अब सरकार ने कोविड कर्फ्यू हटा दिया है। ऐसे में गुरुवार को राफ्टिंग के लिए पर्यटकों की संख्या में इजाफा दिखाई दिया।

पर्यटन कारोबारी वैभव थपलियाल ने बताया कि कोविड कर्फ्यू और अन्य पाबंदियां कम होने से पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। इससे राफ्टिंग समेत अन्य पर्यटन गतिविधियों के रफ्तार पकड़ने की उम्मीद है। वहीं गंगा राफ्टिंग रोटेशन समिति अध्यक्ष दिनेश भट्ट ने कहा कि कोविड पाबंदियां हटने से लोगों को राहत मिली है। उम्मीद है कि जैसे–जैसे गर्मी बढ़ेगी पर्यटक ऋषिनगरी का रुख करेंगे।

त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में रखी गयी हैं ईवीएम मशीन

हरिद्वार (आरएनएस)। विधानसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न होने के बाद जनपद के सभी ११ विधानसभा क्षेत्रों को भेल सेक्टर वन स्थित शिवडेल स्कूल में रखा गया है। ईवीएम की सुरक्षा को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। सभी ईवीएम मशीनों को त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है। जिस स्ट्रांग रूम में ईवीएम रखी गयी हैं। उसे सीसीटीवी कैमरों से लैस किया गया है। एसएसपी डा.योगेंद्र सिंह रावत ने बताया कि मतदान के बाद सभी ईवीएम को शिवडेल स्कूल में बनाए गए इलेक्शन कंट्रोल रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है। ईवीएम की सुरक्षा के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। सभी स्ट्रांग रूम सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में हैं। कॉरिडोर और प्रवेश मार्ग भी सीसीटीवी की निगरानी में हैं। स्ट्रांग रूम को लेकर एक कंट्रोल रूम बनाया गया है। जहां पर इन सब का फीड दिया गया है। यहां पर एक एलईडी भी लगाया गया है। जिसको सीसीटीवी कैमरा से कनेक्ट किया गया है और सभी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए एक अधिकारी की तैनाती की गयी है।

भवसागर की वैतरणी है श्रीमद्भागवत कथाः स्वामी हरिचेतनानंद

हरिद्वार(आरएनएस)। महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद महाराज ने कहा है कि श्रीमद् भागवत कथा भवसागर की वैतरणी है जो व्यक्ति के मन से मृत्यु का भय मिटाकर उसके बैकुंठ का मार्ग प्रशस्त करती है। जो श्रद्धालु भक्त श्रद्धा पूर्वक श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कर लेते हैं। उनका जीवन भवसागर से पार हो जाता है।

भारत माता पुरम स्थित एकादश रुद्र पीठ आश्रम में श्री हनुमान सत्संग धाम सेवा समिति ग्वालियर द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के दौरान बतौर मुख्य अतिथि श्रद्धालु भक्तों को संबोधित करते हुए स्वामी हरिचेतनानंद महाराज ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की पावन धरा गंगा द्वार हरिद्वार पर कथा श्रवण का अवसर सौभाग्यशाली व्यक्ति को ही प्राप्त होता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को समय निकालकर कथा श्रवण अवश्य करनी चाहिए।

कथा व्यास महामंडलेश्वर राजगुरु स्वामी संतोषानंद महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा मोक्षदायिनी है। जिसके श्रवण से राजा परीक्षित को भी मोक्ष की प्राप्ति हुई थी और कलयुग में भी इसके साक्षात प्रमाण देखने को मिलते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत कथा में सभी ग्रंथों का सार निहित है। जो व्यक्ति की आत्मा का परमात्मा से मिलन कराता है। राजगुरु स्वामी संतोषानंद महाराज ने कहा कि धर्म के संरक्षण संवर्धन में संत महापुरुषों की अहम भूमिका है और महापुरुषों से प्राप्त ज्ञान के द्वारा व्यक्ति को सतकर्मों की ओर अग्रसर रह कर अपने कल्याण का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। यही श्रीमद् भागवत कथा के ज्ञान का मूल उद्देश्य है। इस अवसर पर युवराज वर्मा, पंकज भाटी, कविता राज डंडोतिया, आशा देवी, राधेश्याम शर्मा, हरिमोहन शर्मा, सतीश पाराशर, राम लखन शर्मा, संतराम भट्ट, रविंद्र भट्ट, आनंद सिंह तोमर, सुरेंद्र अग्रवाल, जगतगुरु आनंदेश्वर महाराज, सुरेंद्र शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, प्रदीप कुमार, अनुपमा सिंह डंडोतिया सहित कई श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

ट्रांसजेंडर्स तक पहुंचें

केंद्र सरकार की ओर से देश की ट्रांसजेंडर कम्युनिटी को मुख्यधारा में लाने के लिए शनिवार से शुरू की जा रही पहल सराहनीय है। इसके तहत आयुष्मान भारत टीजी और ट्रांसजेंडर बच्चों को पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप जैसी योजनाओं का लाभ इस समुदाय के लोगों तक पहुंचाते हुए उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के प्रयास किए जाने हैं। आयुष्मान भारत टीजी (ट्रांसजेंडर) योजना के जरिए लिंग परिवर्तन सर्जरी और उससे जुड़े तमाम पहलुओं को कवर किया जाता है। अब सपोर्ट फॉर मार्जिनलाइज्ड इंडिविजुअल्स फॉर लाइवलीहुड एंड एंटरप्राइज यानी स्माइल योजना की दो उपयोजनाओं में ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों तथा भीख मांगने के कार्य में लगे व्यक्तियों के पुनर्वास के कदम भी शामिल हैं। बताया गया है कि उन्हें आयुष्मान भारत टीजी योजना के तहत आईडी कार्ड भी मुहैया कराया जाएगा। इन योजनाओं के पीछे इरादे बेशक नेक हैं, लेकिन इनका वास्तव में कितना फायदा इस समुदाय के लोगों तक पहुंचता है यह साफ होने में थोड़ा वक्त लगेगा। इसमें दो राय नहीं कि आज भी इस समुदाय के लोगों को समाज में हर स्तर पर भेदभाव और अक्सर दुर्व्यवहार का भी सामना करना पड़ता है। कुछ ऐसे उदाहरण जरूर मिलते हैं जिनमें इनकी असाधारण उपलब्धियों को मान्यता मिलती नजर आती है, लेकिन वे अभी अपवाद रूप में ही हैं।

आम तौर पर पढ़ाई से लेकर रोजगार तक इन्हें या तो अपनी असली पहचान छुपानी पड़ती है या फिर कदम-कदम पर अपमान सहना पड़ता है। ऐसे में अगर सरकार ऐसी कोई पहल करती है, जिससे इस समुदाय के लोगों की स्वास्थ्य सुविधाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित हो और वे पढ़ाई करके योग्यता के अनुरूप रोजगार हासिल कर सकें तो इससे अच्छी बात दूसरी नहीं हो सकती। लेकिन वास्तव में इन योजनाओं का लाभ इस समुदाय के सभी लोगों तक पहुंचाना कितना मुश्किल है, इसका अंदाजा लॉकडाउन के दौरान मिले अनुभव से होता है। उस दौरान सरकार ने घोषणा की थी कि ट्रांसजेंडर समुदाय के हर व्यक्ति के खाते में 1500 रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर किए जाएंगे। गौरतलब है कि लाखों की संख्या में होने के बावजूद तब मात्र 5,711 ट्रांसजेंडर्स को रकम भेजी जा सकी। वजह यही रही कि इस समुदाय के ज्यादातर लोगों के पास न तो किसी तरह का सर्टिफिकेट है, न बैंक अकाउंट। ऐसे में किसी भी सरकारी योजना का लाभ उठाना इनके लिए खासा मुश्किल होता है। मौजूदा पहल के साथ भी यह शर्त रखी गई है कि इसका लाभ उन्हीं को मिलेगा जिनके पास मिनिस्ट्री ऑफ सोशल जस्टिस एंड एंपावरमेंट की ओर से जारी टीजी सर्टिफिकेट है। सरकारी पोर्टल के माध्यम से अब तक दिए गए टीजी सर्टिफिकेट की बात करें तो यह संख्या है 4,921 मात्र। साफ है कि योजना कागजी या नाम मात्र की बनकर न रह जाए, इसके लिए समुदाय के सभी लोगों तक पहुंचने या उन्हें इससे जोड़ने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास करने होंगे। (आरएनएस)

हाथ-पैर के सुन्नपन को न करें नजरअंदाज, इन घरेलू नुस्खों की मदद से पाएं राहत

कई बार एक ही मुद्रा में बैठे रहने से हाथ-पैर में सुन्नपन होने लगता है और जब तक यह सुन्नपन रहता है, तब तक हाथ-पैर अच्छे से काम नहीं करते। अक्सर लोग इसे सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, हालांकि यही लापरवाही भविष्य में उन्हें भारी पड़ सकती है। चलिए आज आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं जिन्हें अपनाकर हाथों और पैरों में होने वाले सुन्नपन से जल्द राहत पाई जा सकती है।

हाथों और पैरों के सुन्नपन को दूर करने के लिए तेल मालिश करना एक प्रभावी घरेलू नुस्खा है। इसके लिए सरसों के तेल या फिर नारियल के तेल से प्रभावित जगह पर तब तक मालिश करें, जब तक तेल त्वचा में अच्छे से अवशोषित न हो जाए। ऐसा करने से हाथों और पैरों के ब्लड सर्कुलेशन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगाऔर इनके सुन्नपन से आपको काफी जल्दी राहत मिलेगी।

स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं से छुटकारा दिलाने में हल्दी का इस्तेमाल सबसे कारगर घरेलू नुस्खों में से एक है। हल्दी में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और कई अन्य गुण मौजूद होते हैं जो न सिर्फ बीमारियों को दूर करते हैं बल्कि हाथों और पैरों में सुन्नपन की समस्या से भी राहत दिला सकते हैं। इसलिए जब भी आपको हाथों और पैरों में सुन्नपन महसूस हो तो आप दूध में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर इसका सेवन कर सकते हैं।

हाथों और पैरों के सुन्नपन को दूर करने के लिए प्रभावित जगह पर गर्म सिकाई करना भी एक बेहतरीन घरेलू नुस्खा है। इसके लिए बस हॉट पैड को प्रभावित जगह पर लगाएं। अगर आपके पास हॉट पैड न हो तो एक सूती कपड़ा लें और गैस पर तवा गर्म कर लें। अब कपड़े की कई तह बनाकर उसे गर्म तवे से लगाएं और फिर इससे हाथों और पैरों की सिकाई करें। ऐसा लगभग 20 मिनट तक करें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

हरा टमाटर भी सेहत के लिए होता है फायदेमंद

टमाटर का सेवन करना सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है इसी कारण लोग टमाटर का सेवन सब्जी में ही नहीं बल्कि सूप, जूस और सलाद में भी करते है लेकिन आपने अभी तक लाल टमाटर के फायदों में ही जाना होगा लेकिन आज हम आपको इस आर्टिकल में हरे टमाटर जिनको आमतौर पर कच्चा टमाटर भी कहा जाता है उसके फायदों के बारे में बताने जा रहे है ये सेहत को कई तरह से फायदा पहुंचाता है

इम्युनिटी बूस्ट करे

हरे टमाटर में भरपूर मात्रा में विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते है इससे हमारे शरीर की इम्युनिटी बूस्ट होती है और इससे जल्द बीमार होने या किसी भी तरह के संक्रमण का खतरा काफी कम होता है

ब्लड क्लॉटिंग नहीं होने देता

हरे टमाटर में काफी ज्यादा विटमिन के पाया जाता है इससे ब्लड क्लॉटिंग नहीं होती है क्योकि हरा टमाटर खून के थक्को को नार्मल करने में मदद करता है

आँखों के लिए फायदेमंद

हरे टमाटर का सेवन करने आँखों की कमजोर नहीं होती है क्योकि इसमें बीटा-केरोटीन भरपूर मात्रा में मौजूद होता है इसलिए हरा टमाटर आँखों को स्वस्थ रखने में मदद करता है

ब्लड प्रेशर को कम करे

ब्लड प्रेशर को कम करने के लिए हरा टमाटर काफी ज्यादा फायदेमंद होता है जिन लोगो का ब्लड प्रेशर काफी ज्यादा होता है उनके लिए हरा टमाटर का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है क्योकि इसमें सोडियम और पोटेशियम पाया जाता है

स्कीन के लिए फायदेमंद

हरा टमाटर स्कीन के लिए बहुत लाभदायक होता है दरअसल टमाटर में भरपूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है जो डेड स्कीन को हटाने में मदद करता है साथ ही स्कीन में झुर्रिया भी नहीं पड़ने देता है (आरएनएस)

बिना जिम जाए आसानी से घटाएं वजन

आज की इस भीड़-भाड़ वाली दुनिया में हर कोई जिम जाना पसंद नहीं करता, क्योंकि आज के समय में लोग इतने व्यस्त हैं कि वे जिम जाए बिना ही घर में बैठे कुछ न कुछ उपाय अपनाते हैं। इसलिए आज हम आपको बताते है कि बिना जिम जाए आप कैसे अपने शरीर को फिट रख सकते हैं और अपना वजन भी कम कर सकते हैं। इसके लिए आपको संतुलित आहार के साथ कुछ अन्य उपाय अपनाने होंगे। आइए जानें।

कारण

ये हैं वजन बढ़ने के मुख्य कारण

अपने शरीर को फिट कैसे रखें या वजन कम कैसे करें, ये जानने से पहले यह जानना जरुरी है कि वजन क्यों बढ़ सकता है। असंतुलित खाद्य पदार्थ जैसे पास्ता, पिज्जा, केक ज्यादा खाना या अधिक मात्रा में चीनी का इस्तेमाल करना वजन बढ़ने के मुख्य कारणों में से एक हैं। ज्यादा सोना भी सेहत और शरीर के लिए हानिकारक है बलैंस डाइट नहीं लेना और तली हुई चीजों के सेवन से आप कभी फिट नहीं रह सकते।

उपाय

प्रतिदिन सुबह-सुबह पैदल चलें

यदि आप फिट रहना चाहते हैं तो आपको कुछ नियम अपनाने होंगे। जैसे रोज सुबह 20-25 मिनट तक नियमित रूप से तेज चलें। इससे आप स्वस्थ और फ्रेश महसूस करेंगे। अगर आप प्रतिदिन सुबह 20-25 मिनट तक नियमित रूप से तेज चलेंगे तो लगभग 200 कैलेरी कम हो सकती है। इस उपाय से न केवल आपका वजन कम होगा, बल्कि यह उपाय आपको फिट भी रखेगा और कई बीमारियों से भी छुटकारा दिलाएगा।

उपाय

वजन घटाने व फिट रहने लिए खाना मुख्य भूमिका निभाता है, इसलिए इसके साथ कोई समझौता न करें। किसी भी प्रकार की डाइटिंग आपको लंबे समय के लिए अच्छे परिणाम नहीं देगी। आप अपने आप को किसी भी प्रकार से किसी भी डाइट-चार्ट से न जोड़ें। यह आपके शरीर को कमजोर कर सकता है। इसलिए आप अपनी दिनचर्या में केवल संतुलित खाने पर ही ध्यान दें जो आपको चुस्ती-फुर्ती दे सके। किसी को ये बताने की जरुरत नहीं कि फल और सब्जियां खाना सेहतमंद होता है। फल और सब्जियां स्वस्थ रहने के साथ-साथ वजन घटाने में भी सहायक हैं। इसलिए कोशिश करें कि दिन में कम से कम दो बार फल जरूर खाएं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -126

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

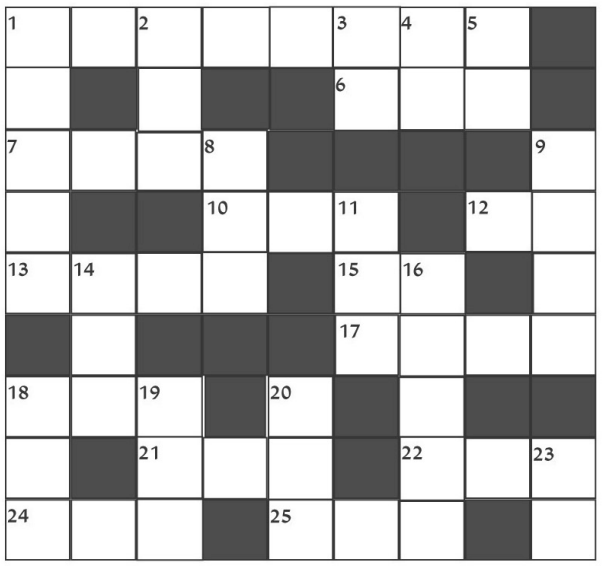

शब्द सामर्थ्य क्रमांक125का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रदर्शित होगी सरकारु वारी पाटा

दक्षिण भारतीय सिने दर्शकों में साउथ सुपरस्टार महेश बाबू स्टारर फिल्म सरकारू वारी पाटा को लेकर काफी बीजी है। इस फिल्म को गीता गोविंदम फेम निर्देशक परशुराम बना रहे हैं। बीते दिनों ही निर्माताओं ने इस फिल्म की नई प्रदर्शन तिथि का ऐलान किया है। महेश बाबू स्टारर इस फिल्म के बारे में कहा जा रहा है कि यह एक पूरी तरह से पारिवारिक रिश्तों पर आधारित फिल्म है, जिसे लेकर दर्शक काफी उत्साहित हैं। वैसे भी दक्षिण भारत में उन फिल्मों को व्यापक सफलता मिलती है जो अपने सांस्कृतिक मूल्यों का निर्वाह करते हैं। फिल्म की शूटिंग करीब-करीब पूरी हो चुकी है। यह फिल्म इन दिनों पोस्ट प्रोडक्शन फेज में है। इस बीच निर्माताओं ने इस फिल्म को 12 मई 2022 को प्रदर्शित करने की घोषणा कर दी है। फिल्म में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त अभिनेत्री कीर्थि सुरेश नायिका के तौर पर नजर आएंगी। कीर्ति को महानती के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया था।

रिपोर्ट के अनुसार इस फिल्म ने एक मेगा ओटीटी स्ट्रीमिंग राइट्स की डील हथिया ली है। फिल्म निर्माता इस फिल्म के सिनेमा अनुबंध के पूरा होते ही ओटीटी स्ट्रीमिंग में बिल्कुल देरी न करते हुए एक बड़े प्लेटफॉर्म पर इसे रिलीज कर देंगे। सरकारू वारी पाटा की स्ट्रीमिंग के लिए महेश बाबू की प्रोडक्शन कंपनी ने अमेजॉन प्राइम वीडियो से हाथ मिलाया है। इतना ही नहीं, इस फिल्म की ओटीटी रिलीज के लिए एक बेहद मोटी रकम में डील फाइनल हुई है। ये टॉलीवुड की सबसे महंगी ओटीटी स्ट्रीमिंग डील मानी जा रही है। क्योंकि अभी तक आरआरआर ने डिजिटल स्ट्रीमिंग राइट्स की डील फाइनल नहीं की है।

महेश बाबू स्टारर इस फिल्म के टीजर और ट्रेलर का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच खबर है कि निर्माता वैलेंटाइन्स डे पर फिल्म का फर्स्ट सिंगल रिलीज कर सकते हैं। जिसे संगीतकार एस थमन ने कंपोज किया है।(आरएनएस)

काजोल और रेवती ने शुरू की सलाम वेंकी की शूटिंग

काजोल रेवती अपनी आगामी फिल्म सलाम वेंकी के लिए एक साथ काम कर रहे हैं, जिसके पहले शेड्यूल को शुरु किया गया। काजोल फिल्म में अपना अभिनय कौशल दिखाती नजर आएंगी और रेवती निर्देशक की कुर्सी संभालेंगी। कथानक का विवरण अभी सामने नहीं आया है, लेकिन फिल्म एक सच्ची कहानी और वास्तविक पात्रों से प्रेरित है। यह एक माँ की कहानी को प्रदर्शित करेगी जो सबसे कठिन परिस्थितियों से जूझती है।

फिल्म का निर्माण सूरज सिंह, श्रद्धा अग्रवाल और वर्षा कुकरेजा द्वारा ब्लाइव प्रोडक्शंस और टेक 23 स्टूडियोज के बैनर तले किया जा रहा है।

सलाम वेंकी के अलावा, काजोल के पास चार परियोजनाएं हैं, जयललिता की बायोपिक ससी ललिता, जिसमें वह अमला पॉल के साथ तमिलनाडु की दिवंगत मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रही हैं, धनुष के साथ तमिल फिल्म, वेलैइल्ला पट्टाधारी 3, और राजकुमार हिरानी की बिना शीर्षक वाली व्यंग्यात्मक कॉमेडी, जहाँ वह शाहरुख खान के साथ फिर से नजर आएंगी।

मालविका मोहनन ने डबल टोन मोनोकिनी में शेयर कीं हॉट फोटोज़

एक्ट्रेस मालविका मोहनन इन दिनों मालदीव में वेकेशन का मजा लेते हुए अपनी तस्वीरें फैन्स के साथ साझा कर रही हैं। इन फोटोज़ में मालविका ट्रेंडी बिकनी और स्विमसूट में बेहद बोल्ड नजर आ रहीं हैं

इन फोटोज़ में मालविका डबल टोन वाली मोनोकिनी में अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रहीं हैं। मालविका ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए इन्हें कैप्शन दिया - चैनल-इंग माय इनर सी स्पिरिट। इन फोटोज़ में मालविका ने अपने दिलकश अंदाज और बोल्ड लुक से फैन्स के दिलों की धड़कनों को बढ़ा दिया। इस दौरान मालविका पर्पल और सी ब्लू-टोन्ड स्विमसूट में नजर आईं, जिसमें साइड में कट-आउट डिटेल, प्लंजिंग नेकलाइन और कीहोल नेकलाइन थी। मोनोकिनी के साथ मालविका ने एक गोल्ड की चेन-पैंडेंट, कंगन और अंगूठियों से अपने लुक को कम्प्लीट किया। मालविका ने अपने करियर की सुरुवात 2013 में मलयालम फिल्म पट्टनम पोल से की। यह फिल्म रोमांटिक ड्रामा फिल्म थी,जिसमे एक तमिल ब्राम्हण युवक और एक इसाई लड़की के बिच के रिश्ते को बया करती है। हालाकि इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। इस मूवी के दौरान इन्होने द स्कारलेट विंडो नाम की फैशन ब्रांड की स्थापना की। इसके बाद उन्होंने निर्नायालम फिल्म में भी काम किया। इस मूवी की वजह वह सुर्खियों में आने लगी 72016 में उन्होंने कन्नड़ फिल्म नानू मट्टू वरलक्ष्मी में डेब्यू किया। इसके बाद इन्होने कई फिल्मो में काम किया है ,जिसमे इनकी सुपरहिट फिल्म है ,द ग्रेट फादर ,पेट्टा,मास्टर . इन्होने ना केवल तमिल,मलयालम ,कन्नड़ भाषाओ के फिल्मो में काम किया। इन्होने बॉलीवुड में भी काम किया है। इन्होने बॉलीवुड में बियॉन्ड द क्लाउड्स फिल्म से डेब्यू किया। लेकिन यह मूवी फ्लॉप हुई। इस मूवी के लिए उन्होंने जेल के सीक्वेंस के लिए 15 दिनों में करीब 8 किलोग्राम वजन कम किया था। (आरएनएस)

गंगूबाई काठियावाड़ी फिल्म को मिला यूए सर्टिफिकेट, दो सीन कटे

आलिया भट्ट पिछले काफी समय से फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म के ट्रेलर में उनका अंदाज और अभिनय दर्शकों को बेहद पसंद आया है। अब एक बार फिर आलिया अपने एक अनदेखे अवतार से दर्शकों को चौंकाने वाली हैं। गंगूबाई काठियावाड़ी रिलीज से पहले भी खूब चर्चा में है। संजय लीला भंसाली फिल्म के निर्देशन में बनी इस फिल्म को अब यूए सर्टिफिकेट मिल गया है।

गंगूबाई काठियावाडी को सेंसर बोर्ड ने यूए सर्टिफिकेट दिया है। बोर्ड ने फिल्म के कुछ दृश्यों पर कैंची भी चलाई है। फिल्म में चार सीन पर कैंची चली है, जिसमें दो सीन डिलीट किए गए हैं। साथ ही दो डायलॉग्स में शब्दों को बदला गया है। फिल्म की लंबाई में एक या दो मिनट घटाए गए हैं। फिल्म में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को गंगूबाई पर गुलाब लगाते हुए दिखाने वाले सीन को भी बदला गया है।

गंगूबाई काठियावाडी, गंगूबाई हरजीवनदास की असल जिंदगी पर आधारित है, जिसे किताब माफिया चीन ऑफ मुंबई से उठाया गया है। काठियावाडी की एक साधारण सी लड़की कैसे गंगूबाई बन जाती है, यह फिल्म में दिखाया जाएगा। वो लड़की, जो सबसे लड़ सकती है, लेकिन अपनी किस्मत से नहीं। हालांकि, वह हालातों से हार नहीं मानती। फिल्म में गंगूबाई की जिंदगी से जुड़े तमाम पहलू देखने को मिलेंगे। इसमें आलिया, गंगूबाई बनी हैं। फिल्म 25 फरवरी को रिलीज हो रही है।

आलिया से पहले विद्या बालन ने बेगम जान में वेश्यालय की मालकिन का रोल निभाया था। श्रद्धा कपूर फिल्म हसीना पारकर में माफिया चीन बनी थीं। अभिनेत्री सीमा बिस्वास सालों पहले फिल्म बैंडिट चीन में माफिया डॉन रहीं फूलन देवी का किरदार निभा चुकी हैं।

आलिया फिल्म आरआरआर से साउथ इंडस्ट्री में कदम रखने वाली हैं। उन्हें निर्देशक अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र में रणबीर कपूर के साथ देखा जाएगा। आलिया करण जौहर की फिल्म तख्त में भी एक अहम भूमिका निभाएंगी। वह शाहरुख खान के होम प्रोडक्शन में बन रही फिल्म डार्लिंग्स का हिस्सा हैं। इससे पहले दोनों डियर जिंदगी में साथ काम कर चुके हैं।

बिल्कुल लग्जरी जिंदगी जीती हैं संदीपा धर

अपनी अदाओं और अपने डांस से सभी का दिल जीतने वाली संदीपा धर ने हाल ही में अपना 33वां जन्मदिन मनाई। आप सभी ने संदीपा को बहुत कम फिल्मों में देखा होगा लेकिन वह अपने डांस और अंदाज के लिए मशहूर हैं। संदीपा धर फिल्म कागज में आइटम सॉन्ग करने के लिए भी मशहूर हैं। आज के समय में संदीपा धर अपने बेहतरीन डांस और एक्टिंग के लिए जानी जाती है। आप सभी को बता दें कि संदीपा का जन्म श्रीनगर में हुआ था और वो एक पेशेवर प्रशिक्षित डांसर है।

वैसे संदीपा ने डांस के लिए कई पुरस्कार जीते हैं। आप सभी को बता दें कि उन्होंने श्यामक डावर और टेरेंस लुईस से 4 साल तक जैज और कंटेम्परेरी में प्रशिक्षण लिया। काम के बारे में बात करें तो संदीपा ने साल 2010 में राजश्री प्रोडक्शन की हिंदी फिल्म इसी लाइफ में से बॉलीवुड में डेब्यू किया था और इस फिल्म में एक्ट्रेस के अपोजिट अक्षय ओबेरॉय लीड रोल में थे। हालाँकि उनकी यह फिल्म अधिक कमाल नहीं दिखा सकी। बहुत कम लोग यह जानते हैं कि संदीपा धर के पास करोड़ों की संपत्ति मौजूद है। जी हाँ, एक्ट्रेस बिल्कुल लग्जरी जिंदगी जीती हैं। केवल यही नहीं बल्कि एक्ट्रेस की स्किन को धूप से परेशानी है इसलिए वो छाव में रहना पसंद करती हैं।

आज के समय में एक्ट्रेस रानी की तरह अपनी लाइफ बिता रही हैं। वहीं संदीपा धर को जानवरों से बेहद प्यार है और इसका उदाहरण एक बार देखने को मिला था। जी दरअसल मुंबई के तेज बरसात में सड़क पर रहने वाले कुत्ते के पिल्ले जान बचाने के लिए संदीपा की रिहायशी इमारत के बेसमेंट में दुबके हुए थे। उस समय संदीपा ने जब उन्हें देखा तो वे बरसात में भीगे मारे ठंड के कांप रहे थे तो संदीपा उन्हें अपने अपार्टमेंट में ले आई थीं, उन्हें खाना खिलाया और देखभाल की।

काम के बारे में बात करें तो संदीपा धर ने फिल्म हीरोपंती में एक्टर टाइगर श्रॉफ के साथ काम किया है। वहीं इसके अलावा उन्होंने फिल्म दबंग 2 में भी कैमियो रोल किया था। वह ओटीटी पर रिलीज हुई वेब सीरीज अभय में भी दिखाई दे चुकीं हैं।

आलिया ने साइन की जूनियर एनटीआर अभिनीत एक तेलुगु फिल्म

आलिया भट्ट आने वाले दिनों में कई बड़ी फिल्मों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। ऐसी ही एक फिल्म है एसएस राजामौली की आरआरआर, जिसमें वह कैमियो की भूमिका में दिखेंगी। इस फिल्म में उनके साथ अजय देवगन भी स्पेशल अपीयरेंस में दिखेंगे। फिल्म में जूनियर एनटीआर और राम चरण जैसे साउथ के बड़े अभिनेता भी नजर आएंगे। अब ताजा रिपोर्ट आई है कि आलिया ने एक और तेलुगु फिल्म साइन कर ली है, जिसमें उनके साथ एनटीआर नजर आएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, आरआरआर के बाद आलिया ने एक और तेलुगु फिल्म साइन की है, जिसमें उनके अपोजिट एनटीआर दिखाई देंगे। इस फिल्म का फिलहाल शीर्षक तय नहीं किया गया है। खबरों की मानें तो इस फिल्म की शूटिंग फरवरी में शुरू होगी। फिल्म का निर्देशन कोरतल्ला शिवा करने वाले हैं। कोरतल्ला ने इससे पहले एनटीआर की 2016 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म जनता गैराज का निर्देशन किया था।

एक सूत्र ने बताया, फिल्म आरआरआर के दौरान एनटीआर और आलिया दोस्त बन गए हैं। एनटीआर ने कोरतल्ला द्वारा निर्देशित फिल्म में काम करने के लिए आलिया को राजी किया है। कोरतल्ला भी एनटीआर के दोस्त हैं। उम्मीद है कि अब इस फिल्म में अभिनेत्री आलिया को भरपूर स्क्रीन टाइम मिलेगा। चूंकि, आरआरआर में उनका रोल काफी छोटा है। खबरों की मानें तो इस फिल्म में उन्हें 20 मिनट से कम का स्क्रीन टाइम मिला है।

रिपोर्ट की मानें तो फिल्म में सामंथा रुथ प्रभु को भी शामिल किया जाएगा। अनिरुद्ध रविचंदर को प्रोजेक्ट में म्यूजिक कंपोजर के तौर पर कास्ट किया जाएगा। फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। मेकर्स अगले महीने हैदराबाद में इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा कर सकते हैं। फिल्म में एनटीआर एक छात्र संघ के नेता की भूमिका निभाएंगे, जिसके लिए उन्होंने लगभग अपना सात किलो वजन कम किया है।

भले ही आरआरआर में आलिया और एनटीआर साथ काम कर रहे हैं, लेकिन फिल्म में आलिया राम चरण के अपोजिट दिखेंगी। आरआरआर में 1920 के दशक की कहानी को फिल्माया जाएगा। फिल्म में राम और एनटीआर भाई की भूमिका में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म दो महान स्वतंत्रता सेनानियों अल्लूरी सीताराम राजू और कोमाराम भीम की कहानी पर आधारित है। इन्होंने अंग्रेजों और हैदराबाद के निजाम से भी आजादी की लड़ाई लड़ी थी।

आलिया को निर्देशक अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मास्त्र में रणबीर कपूर के साथ देखा जाएगा। वह करण जौहर की फिल्म तख्त में भी एक अहम भूमिका निभाएंगी। वह शाहरुख खान के होम प्रोडक्शन में बन रही फिल्म डार्लिंग्स का हिस्सा हैं। इससे पहले दोनों डियर जिंदगी में साथ काम कर चुके हैं। करण जौहर की रोमांटिक फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में भी आलिया अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी।

फिल्म संस्थानों के विलय से उपजी आशंका

हर्षदेव

भारतीय फिल्मोद्योग से जुड़े सभी चार महत्वपूर्ण संस्थानों के विलय की सरकारी कार्रवाई को लेकर फिल्म बिरादरी में काफी बेचैनी और आशंकाएं हैं। इस फैसले को आनन-फानन में कार्यान्वित किए जाने से फिल्मकारों का संदेह और गहरा हुआ है। सूचना प्रसारण मंत्रालय भारतीय फिल्म्स डिवीज़न, फिल्म अभिलेखागार, फिल्मोत्सव निदेशालय और बाल फिल्म संस्थान का राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम में विलय करने की प्रक्रिया जल्दी से जल्दी पूरी करने के प्रयास में है। फिल्म उद्योग से संबंधित लगभग 9 सौ लोगों ने इस फ़ैसले पर पुनर्विचार के लिए सरकार को एक पत्र अपील के रूप में भेजा हुआ है। पत्र भेजने वालों में अभिनेता, फिल्म निर्माता और फिल्म उद्योग से जुड़े सभी क्षेत्रों के सदस्य शामिल हैं। सबसे ज्यादा चिंता फिल्म्स डिवीज़न और राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार के भंडार को लेकर है। वहां 1937 से अब तक के सांस्कृतिक इतिहास के साथ-साथ कला, समाज और ऐतिहासिक घटनाओं के दृश्य भी सुरक्षित हैं। यह तार्किक प्रश्न उठाया जा रहा है कि इस तरह की संरक्षित राष्ट्रीय पूंजी को आर्थिक लाभ के संचालित किसी प्रतिष्ठान को कैसे सौंपा जा सकता है?

इन संस्थानों के विलय के नतीजों के प्रति आशंकित फिल्मकारों ने पत्र में सरकार से कहा है कि भारतीय फिल्मों की विरासत और धरोहर अमूल्य है। इनकी रक्षा का दायित्व संभालने वाली संस्थाओं के बारे में इस क्षेत्र से संबंधित व्यक्तियों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श के बिना जल्दबाजी में ऐसा परिवर्तनकारी क़दम नहीं उठाया जाना चाहिए था। इन फिल्मकारों के अनुसार, सूचना के अधिकार के तहत मांगे गए सवालों का भी जवाब नहीं दिया गया। इस कारण भी फैसले के प्रति आश्वस्त नहीं हो पा रहे हैं। जो प्रश्न पूछे गए थे, उनका भी समाधान नहीं किया गया है। ऐसे में इस फैसले के अमल पर तब तक रोक लगानी चाहिए जब तक कि फिल्म उद्योग से जुड़े सभी पक्षों के साथ सलाह न कर ली जाए और उनकी राय न ले ली जाए।

महत्वपूर्ण बात यह है कि जिन चार संस्थानों का विलय फिल्म विकास निगम में करने की कार्रवाई चल रही है, उन सब की स्थापना अलग-अलग उद्देश्यों और दायित्वों के लिए की गई थी। यह कैसे संभव है कि कोई एक निगम चारों संस्थानों के अलग-अलग लक्ष्य अकेले ही पूरे कर ले? फिल्म उद्यमी आशंका जता रहे हैं कि यह कार्रवाई अंततः फिल्म संस्थानों के निजीकरण और उनकी संपत्ति के मौद्रीकरण के उद्देश्य से की जा रही है। उनका यह भी कहना है कि पिछले एक वर्ष के दौरान सूचना प्रसारण मंत्रालय ने फिल्मोद्योग से संबंधित फैसले अचानक लेने और बिना किसी विचार-विमर्श के उनको लागू कर देने का तरीका अपना लिया है जो इस उद्योग के प्रति सरकार के तिरस्कार और उपेक्षा को जाहिर करता है। मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स, अमेजॉन और हॉटस्टार जैसे सभी ओटीटी प्लेटफॉर्म अपने दायरे में लाने के फैसले का भी अकस्मात् ही ऐलान कर दिया था। इसी प्रकार साल 2020 में फिल्म प्रमाणन अपीलीय ट्रिब्यूनल को ही ख़त्म करने का फैसला सुना दिया गया। फिल्मकारों ने मंत्रालय को समय-समय पर अपनी चिंताओं से अवगत करवाया लेकिन उनको कभी भी उचित उत्तर नहीं मिला। उनके अनुसार, सिनेमैटोग्राफी कानून में संशोधन का निर्णय भी इसी प्रकार लागू कर दिया गया जबकि ऐसा करने से अभिव्यक्ति की आजादी और लोकतांत्रिक असहमति के अधिकार का हनन हुआ है। इस निर्णय के खिलाफ तीन हजार से भी अधिक लोगों ने सरकार को भेजे पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। हालांकि यह फैसला किए जाने से केवल एक सप्ताह पहले सांसद जॉन ब्रिटास ने इस बारे में सरकार को पत्र लिखकर फिल्मकारों की चिंताओं से अवगत करा दिया था। उन्होंने कहा था कि फिल्म विकास निगम का एकमात्र मकसद मुनाफा कमाना है तो वह फिल्मों के लेखागार और पुरालेखों को संरक्षित करने के अलाभकारी काम कैसे कर सकता है? जॉन ब्रिटास के अनुसार, 'कंपनी अधिनियम के तहत पंजीकृत एनएफडीसी को अपने संचालन से लाभ अर्जित करना है। इस तरह का संगठन फिल्मों के पुरालेखों के संरक्षण जैसे गैर-लाभकारी कामों को कैसे कर सकता है?'

फिल्मकारों ने पिछले महीने एक और पत्र लिखकर कहा है कि बिमल जुल्का उच्चाधिकार समिति ने किसी भी संबंधित पक्ष से विमर्श के बिना अपनी रिपोर्ट पेश कर दी। उसकी सिफारिशों की जानकारी देने के अनुरोध को अनसुना कर दिया गया। इस पत्र में मंत्रालय से चार बातों का संज्ञान लेने का अनुरोध किया गया है। इनमें एफडी, एनएफएआई और सीएफएसआई संस्थानों का फिल्म विकास निगम में विलय न करने , फिल्म्स डिवीज़न, फिल्म अभिलेखागार को राष्ट्रीय विरासत घोषित करने व इन संस्थानों को स्वायत्तता देने का सुझाव भी दिया गया है।

वर्ष 1980 से 1983 तक एनएफडीसी का नेतृत्व कर चुके वरिष्ठ फिल्मकार अदूर गोपालकृष्णन ने मंत्रालय के जून और दिसंबर के आदेशों पर टिप्पणी करते हुए कहा है, 'चार संस्थानों के विलय का फैसला गलत है क्योंकि संबंधित क्षेत्रों के लोगों के साथ कोई विचार-विमर्श नहीं किया गया। इससे पता चलता है कि सरकार खुद ही निश्चित नहीं है। इससे आत्मविश्वास की कमी और लोगों में विश्वास की कमी का भी पता चलता है। आखिर वे इतना असुरक्षित क्यों महसूस करते हैं।'

डॉक्यूमेंट्री फिल्मकार ने मंत्रालय के इस फैसले पर दो मुख्य चिंताएं जाहिर कीं। 'उनकी पहली चिंता फिल्म्स डिवीज़न और राष्ट्रीय अभिलेखागार संग्रहालय को लेकर हैं। वे बीते नौ दशक से न सिर्फ हमारे सांस्कृतिक इतिहास बल्कि कला, समाज और ऐतिहासिक घटनाओं के दृश्यों को भी समेटे हुए हैं। अब इस तरह की सामग्री को किसी लाभकारी इकाई के तहत क्यों लाया जा रहा है?'

फिल्म्स डिवीज़न और फिल्म अभिलेखागार के लिए कार्य कर रहे फिल्म आर्काइविस्ट तथा रिस्टोरर शिवेंद्र सिंह डूंगरपुर कहते हैं, 'इन सभी निकायों को एक स्पेक्ट्रम के तहत लाकर इस पूरी स्थिति को केंद्रीकृत कर दिया गया है, जिससे वे एक ही नीतिगत फैसले के अधीन हो गए हैं। लेकिन यह व्यावहारिक नहीं है क्योंकि उनकी अपनी विरासत और काम करने का अपना तरीका है। आप इन्हें निगम के तहत कैसे ला सकते हैं?'

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

लिपस्टिक लगाने का सही तरीका

लिपस्टिक लगाने से आपकी खूबसूरती कई गुना बढ़ जाती है पर अगर ये सही तरीके से न लगे तो अच्छी नहीं लगती। इसलिए जब भी आप लिपस्टिक लगायें तो कुछ बातों का ध्यान रखें। कई बार लिपस्टिक लगाते समय वह हमारे दांतों पर लग जाती है। लिपस्टिक को ऐसे लगायें कि वह दांतों पर न लगे। इसके लिए कुछ आसान उपाय हैं, जिनका आपको पालन करना होगा।

मैट लिपस्टिक का प्रयोग करें: मैट लिपस्टिक इधर-उधर नहीं फैलती है। अगर आपके दांतों में लिपस्टिक लग जाती है तो आपके लिए अच्छा होगा कि आप क्रीम और सैटिन लिप कलर्स से दूर रहें।

लिक्विड मैट लिपस्टिक का प्रयोग करें। मैट से भी अच्छा लिक्विड मैट होता है। इस लिपस्टिक में शाइन होता है और यह लंबे समय तक ठीक रहती है।

उंगली से बाहर निकालें लिपस्टिक: दांतों में लिपस्टिक लग जाने के बाद मुंह में कोई भी उंगली डालें। इससे फैली हुई लिपस्टिक उंगली से बाहर आ जाती है।

लिप लाइनर का प्रयोग करें: लिप लाइनर लगाने से लिपस्टिक लाइन के बाहर नहीं जाती और दांत पर भी नहीं फैलती।टिश्यू का प्रयोग करेंरू दांतों पर लिपस्टिक जाने से रोकने के लिए होठों के बीच टिश्यू पेपर रखें। इससे दांतों पर लिपस्टिक का दाग नहीं लगता।

सू- दोकू क्र.126

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.125 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

प्रेग्नेंसी के दौरान नहीं ले पेनकिलर

प्रेग्नेंसी में बिना डॉक्टर की सलाह के पेनकिलर्स लेने से बच्चे की ना सिर्फ सेहत को नुकसान पहुंचता है बल्कि बच्चे की फर्टिलिटी भी प्रभावित होती है। हाल ही में आई रिसर्च भी कुछ यही कहती है। रिसर्च में कहा गया है कि प्रेग्नेंसी में पेनकिलर लेने वाली महिलाओं के बच्चे की फर्टिलिटी क्षमता आगे जाकर प्रभावित हो सकती है।

रिसर्च में पाया गया कि ये दवाएं डीएनए पर अपने निशान छोड़ सकती है जिससे आने वाली पीढ़ियों की फर्टिलिटी भी प्रभावित हो सकती है। रिसर्च में कहा गया है कि गर्भावस्था के दौरान पैरासिटामॉल जैसी कुछ दवाओं का इस्तेमाल सतर्कता से करना चाहिए। ब्रिटेन में एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने भ्रूण के वीर्यकोा और अण्डाशय के नमूनों पर पैरासिटामॉल और आईबुप्रोफेन के प्रभावों का अध्ययन किया। रिसर्च में पाया गया कि इनमें से कोई सी भी दवा एक हफ्ते तक लेने से वीर्य और अण्डे बनाने वाली कोशिकाओं की संख्या घट गई। यह इस मायने में महत्वपूर्ण है कि लड़कियों के सभी अण्डों का निर्माण गर्भावस्था में ही हो जाता है। जन्म के वक्त इनकी कम संख्या होने का मतलब है कि इससे मीनापेनाज भी समयपूर्व हो सकता है।

अब के सर्दी में गर्मी की धमक

सहीराम

यह दुआ तो नहीं है, लेकिन इच्छा जरूर है कि सर्दी निकल जाए और गर्मी आ जाए। क्योंकि पहाड़ों में अभी बर्फबारी हो रही है और मैदानों में लोग कांप रहे हैं। अब ऊपर वाला तो पता नहीं नीचे वालों की सुनेगा या नहीं, लेकिन इधर नेता लोग गर्मी निकालने की धमकी जरूर दे रहे हैं। भैया अगर बिजली ठीक-ठाक दे दोगे तो गर्मी भी निकल ही जाएगी। बेशक वह पंखे, कूलर या एसी से ही निकलेगी। लेकिन निकालने का श्रेय लोग तुम्हें ही देंगे, चिंता न करो। अब पता नहीं नेताओं को गर्मी निकालने की क्या सूझी है। अरे भाई गर्मी भी जरूरी है। गर्मजोशी अगर नहीं होगी तो तुम चुनाव भी कैसे जीतोगे।

लोग अगर वोट डालने को लेकर ही ठंडे बने रहे तो बड़ी मुश्किल हो जाएगी यारो। इसलिए गर्मी भी जरूरी है। अब आप ही बताओ कि अगर संबंधों में गर्मी नहीं होगी तो दुनिया का क्या हाल होगा। पहले ही इतनी खुदगर्जी है। क्या इसे और बढ़ाना चाहते हो। प्यार-मोहब्बत बिना गर्मी के नहीं होते यार। ठंडेपन से दूरियां बढ़ती ही हैं। अब किसानों को गालियां देने वालों को यह तो नहीं समझाया जा सकता कि भैया गर्मी के बिना फसल पकती नहीं है। गर्मी निकाल दी तो दाने नहीं पड़ेंगे।

भाई अगर आप इतने ही दबंग हैं तो अकड़ निकालो, हेकड़ी निकालो, खुदगर्जी निकालो, काइयांपन निकालो, क्षुद्रता निकालो। यार गर्मी क्यों निकाल रहे हो। और अगर गर्मी ही निकालनी है तो दिमाग की निकालो। दिल की क्यों निकालते हो। उसे दिल में रहने दो। दिमाग ठंडा और दिल गर्म रहना ही चाहिए। गर्मी ही निकालनी है तो जुबान की निकालो, जिससे निरंतर गालियां झरती हैं, धमकियां झरती हैं। हाथों की गर्मी मत निकालो जो जब मिलते हैं तो रिश्तों में गर्मी आ जाती है। यार इतनी गर्मी तो इंसान में होनी ही चाहिए न कि यारों से जफ्फियां-शफ्फियां पा सके। अपनों से गले मिल सके। और अगर गर्मी ही निकालनी है तो यार दंगइयों की निकालो, दादाओं और दबंगों की निकालो, हत्यारों और बलात्कारियों की निकालो। लोगों के दिल जलाने वालों की निकालो, बस्तियां जलाने वालों की निकालो। रिश्तों की गर्मी को बख्श दो यार।

एक बात सुनो यार, कोरोना महामारी के बुखार की गर्मी तो आप निकाल नहीं पाए। वो जो कई-कई दिनों तक श्मशानों की आग नहीं बुझी थी, चिताओं की आग ठंडी नहीं हुयी थी, वह गर्मी तो आप निकाल नहीं पाए और अब आप धमकी दे रहे हो कि गर्मी निकाल देंगे। जब ऑक्सीजन की कमी से लोग जूझ रहे थे और शरीर ठंडे पड़ रहे थे, तो भाई उन्हें गर्मी की ही जरूरत थी, जो आप नहीं दे पाए थे। ऐसी गर्मी क्या निकालनी यार कि आदमी ठंडा होकर लाश बनकर गंगा में तैरता रहे या उसकी मृत देह ठंडी रेत में दफन हो जाए। आदमी ठंडा नहीं होना चाहिए। ठंडा होना मृत्यु होती है।

सड़क दुर्घटना में मृत दरोगा की पत्नी को पीएनबी ने दिये 30 लाख

देहरादून (संवाददाता)। रूद्रप्रयाग में तैनात दरोगा की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर पंजाब नेशनल बैंक के जोनल मैनेजर ने मृतक की पत्नी को रक्षक प्लस योजना के तहत 30 लाख का चेक दिया।

आज यहां अशोक कुमार, पुलिस महानिदेशक, उत्तराखण्ड की उपस्थिति में संजय काण्डपाल, जोनल मैनेजर, पंजाब नेशनल बैंक देहरादून जोन द्वारा रक्षक प्लस योजना के अन्तर्गत सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले जनपद रूद्रप्रयाग में तैनात उपनिरीक्षक पवन कुमार की पत्नी रजनी भारद्वाज को पंजाब नेशनल बैंक की ओर से 30 लाख रूपए का चेक दिया गया। अशोक कुमार, ने बताया कि वर्ष 2019 में उत्तराखण्ड पुलिस कर्मियों के लिए एक बड़े कल्याणकारी कदम के रूप में उत्तराखण्ड पुलिस तथा पंजाब नेशनल बैंक के बीच पुलिस सैलरी पैकज के लिए समझौता (एम.ओ.यू.) किया गया था, जिसके अन्तर्गत जिन पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों का वेतन पंजाब नेशनल बैंक में आहरित हो रहा है उनको रक्षक प्लस योजना के अन्तर्गत बिना प्रीमियम जमा किए दुर्घटना आदि में मृत्यु होने पर 30 लाख रुपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवर मिलेगा। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2019 से अब तक पंजाब नेशनल बैंक द्वारा 13 पुलिसकर्मियों के आश्रितों को बीमा कवर की राशि प्रदान की गयी है। पुलिस सैलरी पैकज के अन्तर्गत ही स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ भी वर्ष 2018 में समझौता (एम.ओ.यू.) किया गया था। जिसके अन्तर्गत बिना प्रीमियम जमा किए दुर्घटना आदि में मृत्यु होने पर 25 लाख रुपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवर दिया जा रहा था। वर्ष 2021 में एम.ओ.यू. का नवीनीकरण कर इस बीमा कवर को बढ़ाकर 50 लाख रूपए कर दिया गया है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2018 से अब तक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया द्वारा 07 पुलिसकर्मियों के आश्रितों को बीमा कवर की राशि प्रदान की गयी है। पुलिस सैलरी पैकज योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 20 पुलिसकर्मियों के आश्रितों को बीमा कवर की राशि प्रदान की गयी है।

चोर एलईडी के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। चोरी के एलईडी के साथ वांछित चोर गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला थाना पुलिस ने गत दिवस शाम गठित पुलिस टीम को होटल रिजेण्टा के पास चौकिंग के दौरान मिली सूचना के आधार पर कि कुछ समय पूर्व रायवाला क्षेत्र हरदेव अपार्टमेंट हरिपुर कला मे जिन लोगों ने चोरी की थी उनके साथ का एक चोर जो घटना के बाद से ही फरार चल रहा है वह आज प्राइमरी स्कूल हरिपुर कला के आसपास देखा है। प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने एक व्यक्ति को पुलिस ने घेर घोट कर पकड लिया। पकडे व्यक्ति से नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम केशव उर्फ गुल्लू पुत्र अजय सिंह निवासी हरदेव अपार्टमेंट प्राईमरी स्कूल रोड हरिपुर कला रायवाला देहरादून बताया। जो कि थाना रायवाला के एक चोरी के मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी का एक एलईडी भी बरामद किया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

राजपुर क्षेत्र में लाखों की चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने राजपुर क्षेत्र से लाखों रूपये का सामान चोरी की घटना को अंजाम दिया। पुलिस से जानकारी मांगी तो पुलिस ने घटना से अनभिज्ञता जाहिर की। उल्लेखनीय है कि शहर में चोरी की घटनाओं में इजाफा हो रहा है और पुलिस अधिकारी घटना से अनभिज्ञता जाहिर करते दिखायी दे रहे हैं या फिर चोरों के पकडे जाने के बाद मुकदमा लिखा जा रहा है। ऐसी ही एक घटना राजपुर थाना क्षेत्र के हनुमान मन्दिर के पास होनी की सूचना प्राप्त हुई। जिस बारे में राजपुर पुलिस से सम्पर्क किया गया तो पहले तो उन्होंने घटना से एकदम इंकार कर दिया लेकिन बाद में छोटी मोटी चोरी होने की बात को कबूल किया। जबकि चोरी एक व्यापारी के घर होना बताया जा रहा है जिसमें लाखों के जेवरात व अन्य सामान चोरी होने की बात सामने आयी है।

सेनानायक एसडीआरएफ ने राजेन्द्र नाथ को माउंट क्लीमेंजारो के सफल आरोहण हेतु किया फ्लैग ऑफ

संवाददाता

देहरादून। सेनानायक मणिकांत मिश्रा द्वारा आरक्षी राजेन्द्र नाथ को अफ्रीका महाद्वीप के तंजानिया में स्थित सबसे ऊंची चोटी, माउंट क्लीमेंजारो (5895 मीटर) को फतह करने के लिए पुलिस प्रतीक चिन्ह देकर रवाना किया गया।

आज यहां एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय जॉलीग्रांट से आरक्षी राजेन्द्र नाथ को अफ्रीका महाद्वीप के तंजानिया में स्थित सबसे ऊंची चोटी, माउंट क्लीमेंजारो (5895 मीटर) को फतह करने के लिए सेनानायक मणिकांत मिश्रा द्वारा पुलिस प्रतीक चिन्ह देकर रवाना किया गया। आरक्षी राजेन्द्र नाथ द्वारा पूर्व में भी अनेक कीर्तिमान हासिल किये गए है। इनके द्वारा विगत वर्षों में डीकेडी-2 (5670 मीटर), चंद्रभागा-13 (6264 मीटर), सतोपंथ(7075), माउंट त्रिशूल (7120 मीटर), यूरोप महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलब्रुश(5642 मीटर) व माउंट गंगोत्री प्रथम (6675 मीटर) का सफलतापूर्वक आरोहण किया गया

है। 360 माउंट एक्सप्लोरर मुम्बई द्वारा 18 फरवरी से 28 फरवरी, 2022 तक अफ्रीका महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट क्लीमेंजारो (5895 मीटर) पर एक्सपीडिशन का आयोजन किया गया है। आरक्षी राजेन्द्र नाथ द्वारा इसी एक्सपीडिशन के माध्यम से माउंट किलमन्जारो को फतह करने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर सेनानायक एसडीआरएफ द्वारा आरक्षी राजेन्द्र नाथ को उनके सफल पर्वतारोहण अभियान के लिए शुभकामनाएं देते हुए बताया कि पर्वतारोहण असीमित रोमांच, जोश, मनोरंजन तथा जोखिम से भरा साहसिक खेल है। राज्य आपदा प्रतिवादन बल के प्रत्येक सदस्य के लिए ऐसे साहसिक खेलों का विशेष महत्व है। इसलिए समय समय पर ऐसे साहसिक खेलों में प्रतिभाग करने हेतु कर्मियों को प्रोत्साहित किया जाता है। एसडीआरएफ के अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा क्याकिंग, राफ्टिंग, ट्रैकिंग, पर्वतारोहण इत्यादि साहसिक खेलों में प्रतिभाग कर अपनी व्यवसायिक दक्षता बढ़ाने का निरन्तर प्रयास किया जाता है।

शराब तस्करी में एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। शराब तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने कल देर शाम काफी मात्रा में अंग्रेजी शराब सहित गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती देर शाम थाना गोपेश्वर पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को रोजगार कार्यालय गोपेश्वर के समीप एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उसके पास से बैग में रखी कुल 23 बोतल शराब बरामद की। थाने लाकर की गयी पूछताछ में उसने अपना नाम सत्यप्रसाद पुत्र स्व. रामेश्वर प्रसाद निवासी भदाकोटी बैरागना थाना गोपेश्वर जिला चमोली बताया। पुलिस ने उसे आबकारी अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

पूर्व मेयर मनोरमा डोबरियाल शर्मा को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। दिवंगत सांसद व पूर्व मेयर मनोरमा डोबरियाल शर्मा को उनकी 7वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देकर उनके किये गये कार्यो को याद किया।

आज यहां दिवंगत सांसद व पूर्व मेयर मनोरमा डोबरियाल शर्मा की ७वीं पुण्य तिथि के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि दिवंगत सांसद एवं पूर्व मेयर स्व० मनोरमा डोबरियाल शर्मा को याद करते हुए कहा कि प्रथम मेयर के रुप में देहरादून को विश्व पटल में पहचान दिलाने उनका अतुल्य योगदान रहा है राज्यसभा की सांसद रहते हुए भी उन्होने राज्य के सरोकारों को ससंद के अन्दर एक मजबूत आवाज दी थी बेशक कम समय में ही उन्होने एक अलग पहचान सांसद के रुप में बनाई थी मुझे दुख है कि वो मजबूत आवाज आज नही रही उनका अभाव खलता है। कार्यक्रम की आयोजनकर्ता मनोरमा डोबरियाल

शर्मा मेमोरियल फाउंडेशन की अध्यक्ष व कांग्रेस नेत्री आशा मनोरमा डोबरियाल शर्मा ने कहा कि दिवगंत सांसद के अधूरे कार्यो को पूरा कराने के लिये काम वह करती रहेंगी। मुख्य वक्ताओं में पदमश्री अवधेश कौशल, पदमश्री वैध बालेन्दु प्रकाश ने कहा कि दिवंगत सांसद व पूर्व मेयर मनोरमा डोबरियाल शर्मा ने अपने ४० वर्ष के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन में कभी भी पीछे मुड़कर नही देखा चाहे वह पद पर रही हो न रही हो, पदमश्री कन्हैया लाल पोखरियाल ने उनके साथ विभिन्न अवसर पर किये गये कामों को याद किये हुए भावुक। इस अवसर पर जितेन्द्र ड़ड़ोना, मोहन सिंह नेगी, जयकृत कण्ड़वाल, साधना तिवारी, अनुराधा तिवारी, मीना बिष्ट, रेखा डिंगरा, प्रभात ड़डरियाल, कुलदीप प्रसाद सहित भारी उपस्थित लोगों ने उन्हें याद करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित कियें।

कोरोना से डरे नहीं सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया, सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ जारी 274 नोटिस वापस लिए

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने सार्वजनिक और निजी संपत्ति को हुई क्षति के लिए २०१६ में सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध शुरू की गई कार्रवाई और रिकवरी नोटिस वापस ले ली है। सुप्रीम कोर्ट को जानकारी देते हुए यूपी सरकार ने बताया कि संपत्ति नष्ट करने के लिए और सीएए के विरोध में प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ जारी २७४ नोटिस को १३ और १४ फरवरी को वापस ले लिया गया।न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति सूर्यकान्त की पीठ ने कहा कि राज्य सरकार करोड़ों रुपये की पूरी राशि वापस करेगी, जो २०१६ शुरू की गई कार्रवाई के तहत कथित प्रदर्शनकारियों से वसूली गई थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने संशोधित नागरिकता कानून के विरोध में प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ शुरू की गई समस्त कार्रवाई और भरपाई के लिए जारी नोटिस वापस ले लिए हैं। बहरहाल, कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को नए कानून के तहत कथित सीएए विरोधी प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की स्वतंत्रता प्रदान की।

सिंगापुर के प्रधानमंत्री की टिप्पणी काफी हद तक सटीक थीः थरूर

नई दिल्ली। सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली सेन ने गुरुवार को भारत में सांसदों के आपराधिक रिकॉर्ड को लेकर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि नेहरू का भारत अब ऐसा बन गया है, जहां मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लोकसभा के आधे से अधिक सांसदों के खिलाफ रेप, हत्या जैसे आरोपों सहित आपराधिक मामले लंबित हैं। सिंगापुर के पीएम ने अपने देश की संसद में लोकतंत्र पर चर्चा के दौरान यह बात कही थी। लेकिन भारत में यह मामला तूल पकड़ गया। सिंगापुर के प्रधानमंत्री के बयान पर विदेश मंत्रालय ने सिंगापुर के राजदूत को तलब कर लिया। सरकार के इस फैसले पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सवाल खड़े किए हैं। थरूर ने ट्वीट किया– विदेश मंत्रालय की ओर से सिंगापुर जैसे मित्र देश के हाई कमिश्नर को उनके पीएम की उन्हीं की संसद में टिप्पणी के लिए तलब करना सही नहीं है। वे एक सामान्य टिप्पणी कर रहे थे। जैसी बातें हमारे राजनेता बोलते हैं, उस लिहाज से हमें बर्दाश्त करना भी सीखना चाहिए। थरूर ने कहा कि सिंगापुर के प्रधानमंत्री की टिप्पणी काफी हद तक सटीक थी।

वो कवि हैं, उनको सीरियसली क्यों ले लिया ?

नई दिल्ली। अपनी प्रेमभरी कविताओं के लिए ख्यात कुमार विश्वास ने राजनीति में फसाद पैदा कर दिया है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर खालिस्तान समर्थक होने के आरोप ने मानों चुनावी हंगामे में और बड़ा भूचाल ला दिया है। कुमार विश्वास के आरोपों के बाद अरविंद केजरीवाल ने आखिकार अपनी चुप्पी तोड़ी। मीडिया चैनलों से बातचीत में केजरीवाल ने चुटीले अंदाज में कहा कि कुमार विश्वास कवि हैं, हो सकता है कि उन्होंने हास्य कविता की हो! जिसे विरोधी नेताओं ने सीरियसली ले लिया। वे तो कुछ भी कह सकते हैं। केजरीवाल ने कुमार विश्वास को चैलेंज भी किया–ये लोग पिछले दो–चार दिन से कह रहे हैं कि केजरीवाल पिछले १० साल से देश के दो टुकड़े करने की साजिश रच रहा है। दो टुकड़े करके केजरीवाल उनमें से एक टुकड़े का प्रधानमंत्री बनना चाहता है। क्या देश के दो टुकड़े ऐसे ही हो जाएंगे? मैं दुनिया का सबसे स्वीट आतंकवादी होऊंगा। १० साल से गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया।कुमार विश्वास ने हाल ही में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर अलगाववादियों और खालिस्तानी ताकतों की मदद से भी सरकार बनाने का सनसनीखेज आरोप लगाया था। कुमार विश्वास ने केजरीवाल का नाम लिए बिना कहा था कि वो आदमी लगातार अलगाववाद के सहारे पंजाब का मुख्यमंत्री बनना चाहता था। इतना ही नहीं, केजरीवाल आप के प्रत्याशियों को ही आपस में लड़वा कर मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं।

भितरघात पर भाजपा हाईकमान सख्त

सीएम व प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली तलब

संवाददाता

दिल्ली/देहरादून। भितरघात की खबरों के सार्वजनिक होने और अपने ही विधायकों और प्रत्याशियों द्वारा पार्टी संगठन तथा नेताओं की भूमिका पर सवाल उठाने के वीडियो वायरल होने के मामले को गंभीरता से लेते हुए अब भाजपा हाईकमान ने पार्टी के नेताओं को दिल्ली तलब किया है जिससे स्थिति की वास्तविकता को समझा जा सके।

जानकारी के अनुसार बीते कल शाम को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी दिल्ली पहुंच चुके हैं, वहीं प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक भी आज दिल्ली पहुंचने वाले हैं। जहां वह पार्टी के शीर्ष नेताओं से मिलने वाले हैं। चुनाव के बाद सीएम धामी और मदन कौशिक का यह पहला दिल्ली दौरा है। सूत्रों मिली जानकारी के अनुसार मतदान के बाद पार्टी के विधायकों और कई प्रत्याशियों द्वारा पार्टी के ही पदाधिकारियों और नेताओं द्वारा जो पार्टी के खिलाफ काम करने और चुनाव में उन्हें हराने की कोशिश किए जाने के

❑हकीकत जानने का प्रयास करेंगे शाह
❑चुनाव परिणाम के बाद बड़ी कार्रवाई संभव

आरोपों को पार्टी हाईकमान ने अत्यंत की गंभीरता से लिया है। क्योंकि भितरघात का आरोप लगाने वाले नेताओं ने इससे चुनाव में पार्टी को बड़े नुकसान होने की बात कही गई है। यही कारण है कि इस पूरे मामले ने केंद्रीय नेताओं की चिंता को बढ़ा दिया है।

बीते कल प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक का जो ट्वीट वायरल हुआ था जिसमें वह भाजपा की हार की जिम्मेदारी लेते और अपने पद से इस्तीफे की बात कह रहे हैं, के बारे में इसे फर्जी ट्यूट बताते हुए पार्टी संगठन से एफआईआर दर्ज कराने को कह दिया गया है। लेकिन बात सिर्फ इस एक ट्यूट की नहीं है बात भाजपा के समग्र प्रदर्शन की है। अगर सूबे में इतने बड़े स्तर पर भितरघात हुआ है जैसी खबरें आ रही है तो यह पार्टी के लिए बड़ी चिंता की बात है। अगर भितरघात के कारण पार्टी को सत्ता में आने से रोका जाता है तो यह बड़ी बात है। ऐसी स्थिति में पार्टी के खिलाफ काम करने वालों पर कड़ी कार्रवाई जरूरी है।

जानकारी के अनुसार पार्टी हाईकमान द्वारा इस पर प्रदेश संगठन से पहले ही रिपोर्ट मांगी जा चुकी है। जिसके बाद अब धामी और कौशिक जिनकी अगुवाई में चुनाव लड़ा गया था, उनका पक्ष भी जानना जरूरी है। चर्चा है कि धामी और कौशिक की जल्द ही अमित शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात होगी और इस विषय पर उनसे बातचीत होगी। हालांकि चुनाव परिणाम से पूर्व किसी बड़ी कार्रवाई की उम्मीद नहीं है लेकिन परिणाम के अच्छे न रहने पर प्रदेश भाजपा में बड़ा बदलाव किया जा सकता है।

फिल्म पुष्पा की तर्ज पर प्रतिबन्धित लकड़ी तस्करी करते दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी/देहरादून। फिल्म पुष्पा के अंदाज में हिमालयी क्षेत्रों की दुर्लभ वन संपदा काजल की लकड़ी को तस्करी करते हुये पुलिस ने आज सुबह दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी एक बैरियर तोड़ कर भाग निकले थे जिन्हे दूसरे बैरियर पर दबोचा गया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह कोतवाली उत्तरकाशी व थाना मनेरी पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में लकड़ी तस्कर सक्रिय है तथा वह तथा वह प्रतिबन्धित लकड़ी काजल की तस्करी करने हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को वन विभाग बैरियर देवीधार पर एक संदिग्ध वाहन आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रोक कर चैकिंग किया गया तो उसमें बैठे दो तस्करों को जिनके नाम शरत सिंह निवासी पौड़ी व पेमा निवासी नेपाल बताये जा रहे है, प्रतिबन्धित काजल–काठ की 318 नग लकड़ी सहित

काजल की लकड़ी का होता है औषधीय दृष्टिकोण से इस्तेमाल

उत्तरकाशी। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी द्वारा बताया गया कि काजल की लकड़ी उच्च हिमालय के आरक्षित वन क्षेत्र में पाई जाती है। काजल औषधीय दृष्टिकोण से सर्वोत्तम मानी जाती है। बौद्ध सम्प्रदाय के लोग इसके बर्तन (बाउल) बनाकर खाद्य एवं पेय पदार्थों के लिए इस्तेमाल करते हैं। भारत, चीन, तिब्बत, नेपाल आदि देशों में इस लकड़ी की तस्करी कर उच्च कीमतों पर बेचा जाता है।

गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में उन्होने बताया कि वह भटवाड़ी के सिल्ला क्षेत्र से इस प्रतिबन्धित लकड़ी को उत्तर–प्रदेश, सहारनपुर ले जा रहे थे, लेकिन पुलिस की सतर्कता ने इनको नाकाम कर दिया।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार तस्कर गंगोरी बैरियर पर तैनात पुलिस जवानों द्वारा वाहन को रोकने पर बैरियर को टक्कर मारकर भाग निकले थे। जिस पर पुलिस ने उन्हे वन विभाग बैरियर देवीधार पर दबोच लिया गया। जिन्हे वन विभाग की सुपुर्दगी में दे दिया गया है। बरामद लकड़ी की कीमत 32 लाख रूपये आंकी गयी है।

युवती से रूपया लेकर वापस ना करने पर मुकदमा

देहरादून(सं)। लीव एण्ड रिलेशनशीप के तहत रहते हुए युवती से हजारों रूपया लेकर वापस ना करने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर निवासी युवती ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह फरीदाबाद निवासी योगेश भडाना के साथ लिव एण्ड रिलेशनशीप के तहत रह रही थी उसी दौरान योगेश ने उससे 80 हजार रूपये लिये थे। जब उसने उससे अपने रूपये वापस मांगे तो उसने उसको रूपया देने से इंकार कर जान से मारने की धमकी दी।

मारपीट में क्रास मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। बच्चों के खेल–खेल में बडों में लात घूंसे चलने पर पुलिस ने दोनों पक्षों का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चन्द्रबनी खालसा निवासी जितेन्द्र यादव ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि बच्चे आपस में खेल रहे थे इसी दौरान मौहल्ले के ही अमित थापा का बेटा खेलते हुए गिर गया जिससे उसका दांत टूट गया। इसी बात को लेकर अमित कुछ लोगों को लेकर उसके घर पहुंच गया और उसके साथ गाली गलौच मारपीट करने लगा। वहीं अमित ने भी जितेन्द्र के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज करा दिया। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।